राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,11 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–284 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

जैकलीन का आरोपः ईडी कर रही तंग

मुम्बई। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की नियमित जमानत याचिका पर कल यानी 11 नवंबर को फैसला आएगा। इस केस में गुरुवार को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान ईडी ने कहा कि जैकलीन के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, इसलिए उन्हें नियमित जमानत न दी जाए। इस पर कोर्ट ने ईडी से पूछा कि अगर सबूत हैं तो आपने जैकलीन को अब तक अरेस्ट क्यों नहीं किया? सुनवाई के वक्त पटियाला हाउस कोर्ट में जैकलीन के साथ पिंकी ईरानी भी मौजूद थीं। पिंकी पर सुकेश से पैसा लेकर जैकलीन तक पहुंचाने का आरोप है। जैकलीन ने कोर्ट रूम में अपने बचाव में कहा, 'इस मामले में जांच एजेंसी को मैंने पूरा सहयोग किया है। मैंने खुद इस मामले में सरेंडर किया, लेकिन एऊ ने मुझे सिर्फ परेशान किया है। मैं अपने काम के सिलसिले में विदेश जाती रहती हूं, लेकिन मुझे विदेश जाने से रोक दिया गया। मुझे अपने परिवार वालों से भी नहीं मिलने दिया जा रहा है। जैकलीन ने आगे कहा, 'मैंने इन सब बातों के लिए जांच एजेंसी को ईमेल किया था, लेकिन उसका भी जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मैं देश छोड़कर भागने वाली हूं। फिर उन्होंने मुझे एसओसी (लुक आउट सर्कुलर) जारी कर रोक दिया। ईडी के सारे आरोप बेबुनियाद हैं।' ईडी की तरफ से वकील ने कहा कि जैकलीन एक विदेशी नागरिक हैं। उनका परिवार श्रीलंका में रहता है।

टीम इंडिया के शेर, सेमीफाइनल में ढेर

पावर-प्ले में बेहद धीमी बैटिंग, रोहित 9 ओवर खेलकर भी फेल, बेजान और बेरंग बॉलिंग

नई दिल्ली। टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने भारत को एकतरफा मुकाबले में 10 विकेट से हरा दिया। आईपीएल में धूम-धड़ाके वाला खेल दिखाने वाले भारतीय सितारे इस पूरे मैच में सहमे नजर आए। चलिए जानते हैं कि वे कौन से 5 फैक्टर रहे, जिन्होंने टीम इंडिया की हार की पटकथा लिखी। बड़े मैच और बड़ी टीम के खिलाफ भारतीय ओपनर केएल राहुल का फेल होने का सिलसिला जारी रहा। बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ राहुल ने हाफ सेंचुरी जमाई थी। इस मुकाबले में भी उन्होंने पहली गेंद पर चौका जमाया, लेकिन इसका खास फायदा नहीं हुआ। वे 5 गेंद पर 5 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर जोस बटलर को कैच थमा बैठे। इंग्लैंड ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। तब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि अगर वो टॉस जीतते तो भी पहले बल्लेबाजी ही करते, लेकिन मुंहमांगी मुराद पूरी होने के बाद भी भारतीय बल्लेबाजों के रुख से ऐसा लगा कि वे काफी डरे-सहमे हैं। पावर-प्ले के 6 ओवर में भारत ने सिर्फ 1 विकेट गंवाया, लेकिन रन सिर्फ 38 बनाए। 10 ओवर तक भारत ने सिर्फ 62 रन बनाए थे। धीमी शुरूआत के बाद भारत को आखिरी के ओवर्स में पावर हिटिंग की जरूरत थी। हार्दिक पंड्या ने जरूर इसमें कामयाबी हासिल की,

लेकिन इस मामले में वो इकलौते साबित हुए। इसकी वजह यह है कि उनके अलावा कोई दूसरा बैटर यह कलेजा और कुव्वत नहीं दिखा सका। हार्दिक ने 190 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की, लेकिन कम से कम 15 गेंद खेलने वाला कोई भी बल्लेबाज 130 के स्ट्राइक रेट से भी बैटिंग नहीं कर पाया। कप्तान रोहित शर्मा ने 96 तो विराट कोहली ने 125 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। सूर्या ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन वे 10 गेंद खेलकर ही आउट हो गए। ऋषभ पंत भी 4 गेंद पर 6 रन ही बना सके। भारत ने इस वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल से पहले अच्छी गेंदबाजी की थी। इसकी वजह यह थी कि उन मैचों में तेज गेंदबाजों को अच्छी स्विंग मिल रही थी। इस मैच में स्विंग नजर नहीं आई और नतीजतन भारतीय गेंदबाज बिल्कुल बेअसर साबित हो गए। भुवेश्वर और अर्शदीप ही नहीं, शमी भी बेरंग और बेजान नजर आए। हमारी बॉलिंग यूनिट इंग्लैंड के बल्लेबाजों का विकेट लेना तो दूर उन्हें परेशान तक नहीं कर पाई। 169 रन का टारगेट सेमीफाइनल जैसे मुकाबले में चुनौतीपूर्ण हो सकता था, लेकिन इंग्लिश ओपनर्स जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने कोई दबाव नहीं बनने दिया। दोनों ने पहले ही ओवर से अटैकिंग बल्लेबाजी की और भारतीय गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। बटलर ने 163 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 80 रन और हेल्स ने 182 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 86 रन बनाए।

कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में नहीं शामिल होंगे शरद पवार

मुम्बई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार स्वास्थ्य कारणों से कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। रमेश ने संवाददाताओं को यहां संबोधित करते हुए कहा कि पवार (81) ने पहले इस पैदल यात्रा में शामिल होने पर सहमति जताई थी। कांग्रेस के संचार महसचिव रमेश ने कहा, ह्यहाल ही में वह (पवार) अस्पताल में भर्ती हुए थे और आराम करने की चिकित्सकों की सलाह के मद्देनजर वह यात्रा में शामिल नहीं होंगे ।ह्ल पवार की बेटी और एनसीपी की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल तथा एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड, इस पैदल यात्रा में शामिल होने के लिये यहां पहुंच गए हैं। ये नेता राहुल गांधी की सार्वजनिक सभा में शाम को शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी इस रैली में शामिल होंगे ।

दुर्घटना में छात्रा की मौत के बाद बवाल

फिरोजाबाद में स्टूडेंट्स ने लगाया डेढ़ घंटे तक जाम, पुलिस ने किया लाठी चार्ज

फिरोजाबाद। डंपर ने साइकिल सवार छात्रा को रौंद दिया। गंभीर हालत में छात्रा को शहर के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस हादसे से गुस्साए छात्रों ने सड़क पर जमकर हंगामा किया और जाम लगा दिया। छात्र आरोपी ड्राइवर के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जाम न खुलने पर पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। हादसा थाना रामगढ़ क्षेत्र के रागी इंटर कॉलेज चनौरा के सामने का है। जहां पर स्कूल जाने के लिए नगला धनी नेपई निवासी 12 वर्षीय कक्षा 6 की छात्रा दिव्या पुत्री सोनवीर साइकिल से रागी इंटर कॉलेज चनौरा जा रही थी। सड़क पार करते समय वहां से गुजर रहे तेज रफ्तार डंफर ने छात्रा को रौंद दिया। छात्रा की साइकिल टूट गई तो वहीं छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई।

आनन-फानन में स्कूल के छात्र छात्राओं ने स्कूल के सामने ही हंगामा करते हुए जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को ट्रॉमा सेंटर भेजा। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्रा की मौत की खबर लगते ही परिवारी जनों के साथ छात्र और छात्राएं व ग्रामीण भी चनौरा विद्यालय के सामने सड़क पर बैठ गए। इस घटना की सूचना पर कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। हादसे के बाद डंपर का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मौके पर एसपी सिटी सर्वेश कुमार मिश्रा पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे और परिवारी जनों को समझाया लेकिन फिर भी जाम नहीं खुला तो पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। पुलिस ने लाठी भांजकर सड़क घेरकर बैठे लोगों को हटाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर हालात पर तत्काल सुनवाई नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने कही यह बात

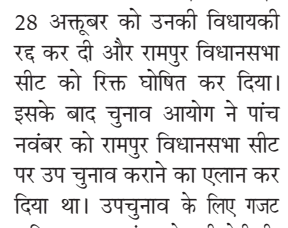

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में गंभीर वायु प्रदूषण को लेकर दायर एक याचिका पर आज तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। इन दिनों दिल्ली में प्रदूषण के हालात इतने विकट हैं कि लोगों का सांस लेना दूभर है। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने और पराली जलाने पर पूर्ण रोक के निर्देश दिए जाएं। आसपास के राज्यों में पराली जलाए जाने से राष्ट्रीय राजधानी की आबो हवा में दमघोंटू धुआं भर जाता है। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह मामला सिर्फ न्यायपालिका के दायरे में नहीं आता है। पीठ में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस जेबी पारदीवाला शामिल थे। पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा, क्या प्रतिबंध से इसमें मदद मिलेगी? क्या पाबंदी को पंजाब या उत्तर प्रदेश के प्रत्येक किसान पर लागू किया जा सकता है? इसके बाद कोर्ट ने कहा कि कुछ मामलों पर अदालतें गौर कर सकती हैं और कुछ पर नहीं, क्योंकि वे मामले न्यायिक रूप से उत्तरदायी नहीं होते हैं। पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब अधिवक्ता शशांक शेखर झा ने अपनी याचिका की तत्काल सुनवाई के लिए सीजेआई की पीठ के समक्ष उल्लेख किया। इससे पहले एक अलग पीठ ने मामले को 10 नवंबर को सुनवाई के लिए पोस्ट किया था। याचिका में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को तलब करने और कहीं भी पराली जलाने के किसी भी मामले के लिए व्यक्तिगत रूप से उन्हें जिम्मेदार बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है।

चीनी सीमा तक पटरियां बिछाएगा भारतीय रेलवे

नई रेल लाइन से भूटान को भी जोड़ने की योजना

नई दिल्ली। भारतीय सेना को चीन सीमा तक आसानी से पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे अपनी विस्तार योजनाओं को नई गति दे रही है। इस क्रम में भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने की कवायद के क्रम में भारतीय रेलवे ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमा तक सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के अलावा पड़ोसी भूटान तक रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। रेल मंत्रालय ने बताया है कि इन विस्तार योजनाओं के तहत अरुणाचल प्रदेश में नई रेलवे परियोजनाओं के लिए रेलवे ने अंतिम स्थान सर्वेक्षण जोरों शोरों से शुरू कर दिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने इन तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे जोन ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय रेलवे ने चीन सीमा के साथ भालुकपोंग से तवांग और सिलापाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना बनाई है। चीन के साथ सीमा विवाद को देखते हुए इस रेलवे लाइन का सामरिक महत्व भी होगा। यह रेलवे लाइन कम समय में सीमावर्ती क्षेत्रों को जोंडेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि इनके अलावा पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे जोन लंका से असम में चंद्रनाथपुर तक दूसरी रेलवे लाइन बनाने की योजना बना रहा है जो असम के दीमा हसाओ जिले के पहाड़ी खंड में बाईपास होगा। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने यह भी बताया कि हमारी योजना पड़ोसी देश भूटान तक अपनी रेल लाइनों को ले जाना है। उन्होंने कहा कि' हमने रेलवे के माध्यम से भूटान को जोड़ने की योजना बनाई है और नई रेलवे लाइन कोकराझार (असम में) से भूटान के गेलेफू तक होगी। यह नई रेलवे लाइन लगभग 58 किमी लंबी होगी।' उन्होंने बताया कि इस साल की शुरूआत में बाढ़ और भूस्खलन के कारण दीमा हसाओ के कुछ हिस्से में रेलवे ट्रैक उखड़ गए थे। उन रेलवे ट्रैक्स की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर किया गया है। जिसके बाद वहां, ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह से हो रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई रेलवे परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें नई रेलवे लाइनों का निर्माण, लाइनों का दोहरीकरण, स्टेशन विकास, विद्युतीकरण शामिल है। इन परियोजनाओं को 1.15 लाख करोड़ रुपये से अंजाम दिया जा रहा है।

भाजपा शासित उत्तराखंड में बाबा रामदेव को बड़ा झटका, इन 5 दवाओं के उत्पादन पर रोक

देहरादून। 'भ्रामक विज्ञापनों' का हवाला देते हुए आयुर्वेद और यूनानी लाइसेंस अथॉरिटी, उत्तराखंड ने पतंजलि के उत्पादों को बनाने वाले दिव्य फामेर्सी को 5 दवाओं का उत्पादन रोकने को कहा है। ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, गॉइटर (घेघा), ग्लूकोमा और हाई कलेस्टरॉल के इलाज में इन दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। इनका नाम है बीपीग्रिट, मधुग्रिट, थाइरोग्रिट, लिपिडोम और आईग्रिट गोल्ड। केरल के एक डॉक्टर केवी बाबू ने जुलाई में शिकायत की थी। उन्होंने पतंजलि के दिव्य फामेर्सी की ओर से ड्रग्स एंड मैजिक रेमिडीज (ऑब्जेक्शनेबल अडवर्टाइजमेंट) ऐक्ट 1954, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक ऐक्ट 1940 और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक रूल्स 1945 के बार-बार उल्लंघन का आरोप लगाया था। बाबू ने राज्य के लाइसेंसिंग अथॉरिटी (एसएलए) को 11 अक्टूबर को एक बार फिर ईमेल के जरिए शिकायत भेजी। अथॉरिटी ने पतंजलि को फॉमुर्लेशन शीट और लेबल में बदलाव करते हुए सभी 5 दवाओं के लिए फिर से मंजूरी लेने को कहा है।

दोषसिद्धि पर स्टे के लिए आजम खां की अर्जी खारिज, सेशन कोर्ट ने सुनाया अपना फैसला

रामपुर। नफरती भाषण देने के मामले में निजली अदालत के फैसले पर स्टे के लिए आजम खां की अर्जी रामपुर की सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने रामपुर की सेशन कोर्ट को आज ही आजम खां की दोषसिद्धि के अपील के स्टे प्रार्थनापत्र पर सुनवाई करने और फैसला देने के आदेश दिए थे।इस संबंध में कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब रामपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय एमपी एमएलए सेशन कोर्ट (न्यायाधीश आलोक दुबे की कोर्ट में) आजम खां के मामले पर सेशन कोर्ट ने एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। आजम खां की तरफ से पूर्व अपर महाधिवक्ता इमरान उल्लाह बहस की। उन्होंने पूर्व में दिए गए फैसले का हवाला दिया। सपा नेता आजम खां को 27 अक्तूबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने नफरती भाषण देने के मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल की कैद और छह हजार रुपये जुमार्ना अदा करने की सजा सुनाई थी। कोर्ट से तीन साल की सजा मिलने के बाद अगले दिन 28 अक्तूबर को उनकी विधायकी रद्द कर दी और रामपुर विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया। इसके बाद चुनाव आयोग ने पांच नवंबर को रामपुर विधानसभा सीट पर उप चुनाव कराने का एलान कर दिया था। उपचुनाव के लिए गजट अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होनी थी। उप चुनाव के नामांकन पत्र दाखिल करने का कार्य भी 10 नवंबर से शुरू होना था। इस बीच सपा नेता आजम खां ने सात नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर दाखिल की थी।

मैनपुरी में बहू से भिड़ेगी पतोहू ! डिंपल के खिलाफ बीजेपी से अपर्णा यादव के चुनाव लड़ने की अटकलें

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर 5 दिसंबर को होने वाले उपचुनाव में बीजेपी अपर्णा यादव पर दांव लगा सकती है। अगर ऐसा होता है तो समाजवादी पार्टी की इस परंपरागत सीट पर नेताजी की दो बहुएं आमने-सामने होंगी। दरअसल समाजवादी पार्टी ने मैनपुरी सीट पर अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को खड़ा किया है। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही है कि बीजेपी मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को उम्मीदवार बना सकती है। अपर्णा यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं। अपर्णा ने साल 2017 में लखनऊ कैंट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन वो बीजेपी की रीता बहुगुणा जोशी से हार गई थी। बाद में अपर्णा यादव ने बीजेपी का दामन थाम लिया। अपर्णा लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में जीव आश्रम नाम का एक एनजीओ चलाती हैं जहां

गाय, भैंस और कुत्तों की देखभाल की जाती है। अपर्णा यादव के पिता पत्रकार हैं और पूर्व राज्य सूचना आयुक्त रह चुके हैं। अगर बीजेपी मैनपुरी सीट से अपर्णा यादव को मैदान में उतारती है तो ये चुनाव काफी दिलचस्प हो जाएगा। फिर देखने वाली बात होगी कि मुलायम सिंह यादव के भाई शिवपाल यादव किसका साथ देते हैं। हालांकि माना जा रहा है कि अगर ये सियासी समीकरण बनता है तो शिवपाल यादव डिंपल की बजाय अपर्णा यादव का साथ देंगे। इसके साथ ही पिछले दिनों ये भी अटकलें चल रही थी कि बीजेपी मैनपुरी सीट से शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव को उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि ये सिर्फ कयास हैं। बीजेपी ने अभी तक मैनपुरी सीट पर उम्मीदवारी पर पत्ते नहीं खोले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दुनिया बचाने का वक्त

पूरी दुनिया को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की उस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंसानी जीवन को बचाने के लिये अब बहुत ज्यादा वक्त नहीं बचा है। मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन कॉप-27 में गुतारेस की उक्त टिप्पणी को गंभीर चेतावनी मानते हुए दुनिया के अमीर व गरीब मुल्कों को गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। लेकिन विडंबना यही है कि दुनिया में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाले देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर गरीब व विकासशील मुल्कों को जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद करने की दलीलें दे रहे हैं। कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को इस बात का अहसास कराया है कि कोई भी प्राकृतिक आपदा व महामारी अमीर-गरीब मुल्क का भेद नहीं देखती है। इसी तरह पर्यावरण संकट का असर विश्वव्यापी है और सभी विकासशील व विकसित देश इसका ताप महसूस कर रहे हैं। चक्रवात से लेकर अतिवृष्टि व अनावृष्टि का कहर पूरी दुनिया पर दिखायी दे रहा है। तमाम देशों में बारिश के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव आया है। कुल मिलाकर यह संकट किसी देश विशेष का न होकर सारी मानवता का है। ऐसे में जरूरी है कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाने के लिये हम अभी से सतर्क होकर युद्ध स्तर पर काम करें। इस बात को शर्म-अल-शेख में जुटे 100 देशों के शासनाध्यक्षों को गंभीरता से महसूस करना चाहिए। पिछले दिनों जारी आक्सफेम की रिपोर्ट ने दुनिया को इस सच से रूबरू कराया है कि दुनिया के सबसे अमीर मुल्क ही कार्बन उत्सर्जन के लिये सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। जब विकसित देशों ने तमाम उद्योगों के जरिये मोटी कमाई करके प्रदूषण को खराब कर दिया है तो अब विकासशील देशों पर जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को बंद करने के लिये दबाव बनाया जा रहा है, जिससे उनके विकास का पहिया रुक जायेगा। अमेरिका, ब्रिटेन व चीन जैसे देश खूब जीवाश्म ईंधन का प्रयोग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरण बचाने में जिम्मेदारी निभाने से कतराते हैं।

जहां तक भारत में पर्यावरण संकट का प्रश्न है तो एक चेतावनी वाली स्थिति बन रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें उसके वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम हिमालय क्षेत्र के तापमान में बढ़ोतरी से हिमालय की बर्फ बेहद तीव्र गति से पिघल रही है। इससे आने वाले वर्षों में गंगा-यमुना जैसी बड़ी नदियों में पानी का प्रवाह कम हो जायेगा, जिससे करोड़ों की आबादी वाले तमाम शहरों में पेयजल तक का संकट पैदा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने यह रिपोर्ट उत्तराखंड, हिमाचल, लद्दाख व जम्मू-कश्मीर में उपग्रहों से मिली जानकारी के आधार पर तैयार की है। दरअसल इस संकट की असली वजह यह है कि हिमालयी क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप व ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। निस्संदेह इससे बर्फ की कमी कमी के चलते सदानीर नदियों में जल संकट पैदा हो जायेगा। सदियों से बहती इन जीवनदायिनी नदियों के बिना मानव अस्तित्व की कल्पना करना कठिन ही होगा। दरअसल, दशकों से पर्यावरण संकट की आहट को बताने वाले विषय विशेषज्ञों की चेतावनी को हमने गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन जब अब संकट सामने खड़ा है तो गंभीर प्रयास करना बेहद जरूरी हो जाता है। हम खुद पर्यावरण के मिजाज में बदलाव को महसूस कर सकते हैं कि नवंबर माह का मध्य आने वाला है, घरों में पंखे बंद नहीं हुए हैं और सर्दी के कपड़े अभी नहीं निकले हैं। यदि हम इसके बावजूद नहीं जागते तो हमें चक्रवाती तूफानों, बाढ़, बादल फटने, अतिवृष्टि व अनावृष्टि जैसी चुनौतियों के लिये तैयार रहना चाहिए, जो हमारी खाद्य सुरक्षा को भी भंग कर रही हैं। कोशिश होनी चाहिए कि शर्म-अल-शेख में जुटे तमाम मुल्क तय करें कि जो मुल्क व कंपनियां जीवाश्म ईंधन से मोटा मुनाफा कमाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं वे पर्यावरण संकट दूर करने के लिये जुर्माना भरें। वहीं व्यक्तिगत स्तर पर भी भौतिकवादी सोच पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

खास उपलब्धि

दवाओं के विकास के मामले में भारत को ऐसी विशिष्ट उपलब्धि हासिल हुई है, जो कोरोना पीड़ितों के दिल की देखभाल में काम की साबित हो सकती है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) पहले भी दवा विकास के क्षेत्र में खूब नाम कमा चुका है। अब इसने जो दवा विकसित की है, वह कोरोना वायरस के एक प्रोटीन के कारण हृदय को होने वाली क्षति को ठीक करने में मददगार हो सकती है। डीआरडीओ के सहयोग से डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने 2डीजी नाम की जो दवा विकसित की है, वह मुंह से ली जा सकती है। कोरोना वायरस ऊर्जा के लिए ग्लाइकोलाइसिस या ग्लूकोज के टूटने पर निर्भर करता है। ग्लाइकोलाइसिस की प्रक्रिया में यह दवा बाधा डालती है, और वायरस का विकास रोकती है। अध्ययन में पाया गया कि कोरोना के संक्रमण के बाद कम से कम एक साल तक हृदय की मांसपेशियों में सूजन, असामान्य धड़कन, रक्त के थक्के, स्ट्रोक, दिल के दौरे और हृदय गति रुकने का काफी जोखिम रहता है। अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने हृदय पर सार्स-कोव-2 वायरस प्रोटीन के विषाक्त प्रभाव को पलटने के लिए दवा 2डीजी का इस्तेमाल किया। अनुसंधान से पता चला है कि सार्स-कोव-2 प्रोटीन शरीर में विशिष्ट ऊतकों को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। यद्यपि दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने कोविड-19 से निपटने के लिए तेजी से टीके और दवाएं विकसित कीं लेकिन ये उपचार हृदय या अन्य अंगों को उस क्षति से नहीं बचा पाते जो हल्के संक्रमण से भी हो सकती है। पिछले साल वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के सबसे जहरीले प्रोटीन की पहचान की थी। पाया कि दवा 'सेलाइनेक्सर' इन प्रोटीन में से एक की विषाक्तता को कम करती है, लेकिन दूसरे की नहीं, जिसे सबसे जहरीले प्रोटीन एनएसपी6 के रूप में जाना जाता है। वैज्ञानिकों ने 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2डीजी) दवा का उपयोग करके फल मक्खियों और चूहों की हृदय कोशिकाओं में शर्करा के चयापचय को अवरुद्ध कर दिया। अध्ययन में कहा गया है कि दवा ने एनएसपी6 प्रोटीन के कारण दिल और माइटोकॉन्ड्रिया को होने वाली क्षति को कम कर दिया। 2डीजी सस्ती दवा है। इसके भारत में कोविड-19 के इलाज के लिए चिकित्सीय परीक्षण चल रहे हैं। बेशक, यह बेहद खास उपलब्धि है।

सूक्ति

मानव का मानव होना ही उसकी जीत है, दानव होना हार है, और महामानव होना चमत्कार है।

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है।

- सरदार पटेल

चिंतन-मनन

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, 'पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा।' यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, 'बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है।' पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आग्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षत-पुष्ट करते हुए कह दिया, 'मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा।' यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया।

आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

अतिवादी नज़रिया बदलने का है वक्त

इस समय भारत दुनिया की सबसे तेज विकास दर के साथ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब नई लॉजिस्टिक नीति के सहारे देश और बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर आगे बढ़ सकेगा। हम उम्मीद करें कि नई लॉजिस्टिक नीति और गतिशक्ति योजना के उपयुक्त क्रियान्वयन से भारत 2030 तक कम लॉजिस्टिक खर्च और मजबूत बुनियादी ढांचे वाले दुनिया के टॉप-25 देशों की सूची अपना स्थान बना पाएगा। इससे देश में उद्योग और कारोबार, निर्यात और निवेश तथा रोजगार के मौके बढ़ने से देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों केरल में पथानामथिट्टा जिले की कलक्टर दिव्या एस. अय्यर चर्चा में आ गईं। कारण था कि वह महिला अपने तीन साल के बेटे को गोद में लेकर भाषण दे रही थीं। अवसर था, एक निजी फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह का। इस घटना का वीडियो वायरल कर दिया गया। लोगों ने इस पर तरह-तरह की बातें कीं। कहा कि दिव्या को अपने बेटे के साथ भाषण नहीं देना चाहिए था कि उन्हें बच्चे को इस आयोजन में साथ नहीं लाना चाहिए था। शोर इतना बढ़ा कि दिव्या को वीडियो हटाना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह यदि चौबीसों घंटे की जिला कलक्टर हैं तो एक मां भी हैं। जाहिर है कि मां बनने और बच्चे की देख-रेख की जिम्मेदारी भी मां और पिता की होती है। आखिर वह अपने बच्चे को साथ ले भी गईं, तो लोगों को इससे क्या तकलीफ होनी चाहिए थी।

एक तरफ महिलाओं की इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि वे अपनी नौकरी की जिम्मेदारियों के कारण परिवार को भूल जाती हैं, बच्चों तक पर ध्यान नहीं दे पातीं। दूसरी तरफ, अगर एक महिला अधिकारी अपने बच्चे को साथ ले गई और उसे गोद में उठाकर भाषण देने लगी तो लोगों को क्या तकलीफ हुई। अपना देश वही है न, जहां मां को सर्वोपरि बताया जाता है। इसी कारण से न कि मां अपने बच्चों की देखभाल में अपने सुख-दु:ख सब भूल जाती है। क्या एक महिला आईएएस होने के नाते दिव्या को अपने बच्चे को भूल जाना चाहिए। अगर वे बच्चे को अपने साथ ले भी आईं तो किसी का क्या नुकसान कर दिया। बच्चे की छुट्टियां भी थीं। आखिर एक बड़ी अधिकारी होने के नाते उनके यहां सहायकों की कोई कमी न रही होगी। फिर भी उन्हें लगा कि बच्चे की छुट्टी है और वे उसे अपने साथ ले जा सकती हैं तो लोगों को इस बात के लिए उनकी आलोचना क्यों करनी चाहिए।

यह कितना दुखद है कि कोई स्त्री अपनी घर और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारियों को निभाती है तो आलोचना का पात्र बनती है, और नहीं निभाती तब भी। किसी तरह से तो चैन से जीने दीजिए। यह कोई ऐसा कार्यक्रम भी नहीं था, जिसमें बच्चे के कारण दिव्या की कर्तव्यपरायणता में कोई विघ्न पैदा होता। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा भी अपने साथ बच्चे को ले जाती हैं। उन्होंने 2018 में अपनी तीन महीने की बेटी के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा को सम्बोधित किया था। कई महिलाओं के कार्यक्षेत्र में बच्चों को दूध पिलाने के चित्र भी देखे हैं।

उस विचार का क्या करेंगे कि अगर महिला के कार्यक्षेत्र के पास, उसका बच्चा भी है तो वह उसकी चिंता से मुक्त हो जाती है और काम को अधिक मनोयोग से करती है। इसीलिए बहुत से बड़े संस्थानों में महिलाओं को डे केयर सेंटर की सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे कि वे बच्चे को वहां छोड़ सकें और छुट्टी के बाद उसे अपने साथ ले जा सकें। हम अपनी सोच को बदलना ही नहीं चाहते। एक महिला अधिकारी इतना डरती क्यों है कि वह कुछ भी करे, फौरन लोग उस पर टूट पड़ते हैं। कायदे से तो इस घटना की तारीफ होनी चाहिए थी, लेकिन मिली आलोचना और निंदा। बाहर वाले कौन होते हैं जो एक अधिकारी को उसकी ये जिम्मेदारी बताएं कि उसे अपने बच्चे को कहां ले जाना चाहिए, कहां नहीं।

दूसरे किसी के निजी जीवन के बारे में फैसला कैसे कर सकते हैं। यह कहना कि यह किसी अधिकारी की कार्य- संस्कृति के खिलाफ है। कैसे। कहां लिखा है। किस कानून में है। जिस संस्कृति की ठेकेदारी की जा रही है, वही तो बताती है कि एक महिला को अपने बच्चे की देखभाल करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। कुछ साल पहले एक आईएएस अधिकारी ही अपने नवजात शिशु को दफ्तर ले आई थी। मां और बच्चे को दूर करने के लिए ऐसे फालतू तर्क क्यों। कृपया संस्कृति के नाम पर अपने विचारों को दूसरों पर मत थोपिए। आपको अपनी मां तो बहुत अच्छी लगती होगी, जिसने रात-दिन आपकी देखभाल की, लेकिन दूसरी मां अच्छी सिर्फ इसलिए नहीं लग रही कि वह एक बड़ी अधिकारी भी है, तो यह आपकी वही सोच है जो महिलाओं को अपने विचार के कोड़े से पीटती है।

इसी के उलट एक दूसरी घटना कर्नाटक में हुई। एक लड़की की पहली शादी नहीं चली। उसने दूसरी शादी की, उसमें भी झगड़े होने लगे। बताया जाता है कि वह पुरुषों से सख्त नफरत करने लगी। इसी दौरान वह गर्भवती हो गई। उसने मन्नत मांगी थी कि बेटी चाहिए। लेकिन बेटे को जन्म दिया। जब उसे इस बारे में पता चला तो वह परेशान हो उठी। उसने अपनी एक रिश्तेदार से कहा कि उसे बेटा नहीं, बेटी चाहिए थी। अस्पताल से छुट्टी के बाद वह घर आई और उसी दोपहर उसने अपने घर के सामने वाले कुएं में बच्चे को फेंक दिया। दो लोगों ने कुएं में उतरकर बच्चे को बाहर भी निकाला। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुरुषों से नफरत करते-करते वह अपने ही बच्चे की हत्यारी बन बैठी। एक तरफ लड़कियों को इस तरह मारे जाने की घटनाएं प्रकाश में आती हैं। लेकिन यह मां पुरुषों से ही इतनी नफरत करने लगी कि उसका बेटा भी वैसा ही पुरुष बनेगा, जिन्होंने पति के रूप में सताया है।

ये दोनों ही घटनाएं दक्षिण भारत की हैं। एक तरफ दिव्या हैं, जो दोहरी जिम्मदारी निभा रही हैं और उसके लिए आलोचना झेल रही हैं, दूसरी तरफ वह मां है, जो लड़की की चाहत में बेटे को मार देने से नहीं चूकती। दरअसल, ये दोनों बातें इसी का उदाहरण हैं कि अतिवादी विचार किसी को जीने नहीं देता। एक तरफ वह अति है कि मां अगर अधिकारी है, तो बच्चे को साथ नहीं ले जा सकती। दूसरी तरफ वह अति है कि लड़की नहीं हुई, तो लड़के को मार दो। स्त्रीवादी विचार को यह भी सोचना चाहिए कि लड़की-लड़की गाते-गाते, क्या वे इस संसार से समस्त पुरुषों का खात्मा करना चाहते हैं। क्या पुरुषों को इस धरती पर रहने का अधिकार नहीं। या कि पुरुषों ने अब तक आपके साथ जितने भी तरह के अत्याचार किए हैं, आप भी उनके साथ वैसा ही करना चाहती हैं। तो बदला क्या। हम तो एक तरह से उसी जाल में जा फंसे, जिससे निकलना चाहते थे। कोई यह तर्क दे सकता है कि आखिर एक घटना से इतनी जल्दी ऐसे निष्कर्ष क्यों निकाल लिए गए। लेकिन शुरू में घटनाएं एक-दो होती हैं, बाद में वे बढ़ती जाती हैं। हर तरह की अति से बचने जरूरत है। पहले कार्पोरेट में महिलाओं को इसलिए नौकरी नहीं दी जाती थी कि कल इनकी शादी हो जाएगी, फिर इनके बच्चे हो जाएंगे तो ये तो अपने घर-परिवार में ही फंसी रहेंगी, काम क्या करेंगी। यह एक वह रेखा थी जिसे महिला बड़ी मुश्किल से लांघ पाती थी। कुछ संस्थानों में तो महिलाओं को मैटरनिटी की छुट्टी देने से भी मना कर दिया जाता था। -लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विचार मंथन

सांसद संजय राउत की 102 दिन बाद अवैध गिरफ्तारी से रिहाई

सनत जैन

मुंबई सेशन कोर्ट के अधीन पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को सांसद संजय राउत और प्रवीण राउत को रिहा करने के आदेश दिए। अदालत ने कहा, संजय राउत की गिरफ्तारी अवैध तरीके से की गई है। ईडी के अधिकारियों ने भेदभाव किया है। सिविल प्रकृति के मामले को जानबूझकर मनी लांड्रिंग का मामला बनाने का प्रयास किया है। अदालत ने जांच एजेंसी को गिरफ्तार करने की शक्ति का सोच समझकर इस्तेमाल करने की हिदायत दी। विशेष न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने हाईकोर्ट में अपील कर रिहाई रोकने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हाई कोर्ट की न्यायाधीश भारती डोंगरे ने ईडी के अधिकारियों से कहा, कि वह गुरुवार को मामले की सुनवाई करेंगी। विशेष न्यायालय ने अपने फैसले में माना कि जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने अवैध रूप से गिरफ्तारियां की थी। उल्लेखनीय है, ट्रायल कोर्ट ने लगभग 1 महीने तक इस मामले की लगातार सुनवाई कर यह फैसला सुनाया।

भारत में जांच एजेंसियां किस तरीके से काम कर रही हैं। यह उसका एक बड़ा उदाहरण है। ऐसा ही एक उदाहरण उ.प्र. के डॉक्टर अकील खान के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने आया था। जांच अधिकारियों ने अवैध तरीके से डॉक्टर खान की गिरफ्तारी एनएसए में की थी। उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में इस मामले में कड़ी टिप्पणी की थी। लेकिन इसके बाद भी जांच एजेंसियों के कामकाज करने के तरीके में कोई परिवर्तन नहीं आया। अब तो सांसद और मंत्रियों को जिस तरीके से जेल में ईडी द्वारा डाला जा रहा है। उनके खिलाफ सबूत गिरफ्तारी के बाद एकत्रित करने के प्रयास किए जाते हैं। सबूत नहीं होने पर भी उन्हें महीनों जेलों में रखा जाता है। एक तरह से आरो?पियों की सामाजिक और राजनीतिक हत्या कर दी जाती है। अपराधिक मामलों में आरोपी बनाकर उनकी स्वतंत्रता और मौ?लिक अ?धिकारों को खत्म किया जा रहा है। इसको लेकर मुंबई की ?विशेष न्यायालय ने बड़ी तीव्र टिप्पणी जांच एजेंसियों के बारे में की है।

देश में जिस तरह की स्थिति बनी हुई है, उसमें विपक्ष के ऊपर लगातार जांच एजेंसियां इसी तरीके की कार्यवाही कर रही हैं। आयकर प्रवर्तन निदेशालय को मनी लांड्रिंग के मामले में विशेष अधिकार मिले हुए हैं। इन विशेष अधिकारों के कारण केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की जांच एजेंसियां अपने अधिकारों का खुलेआम दुरुपयोग कर रही हैं। विपक्षियों और उनसे जुड़े लोगों के ऊपर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इससे जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता तेजी के साथ घटी है। जिस तरीके से पिछले कुछ महीनों में ईडी, सीबीआई एवं नारकोटिक्स की जांच एजेंसियों ने सारे देश में भय का एक वातावरण बना दिया है। ईडी की कार्यवाही को लेकर देशभर में आलोचनाएं हो रही हैं। हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री को भी ईडी ने समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी म?ल्लिकार्जुन खड़गे से नेशनल हेराल्ड वाले मामले में कई घंटों तक कई बार पूछताछ करने के बाद केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का डर और भय आम आदमी तक फैल गया है। जब देश के इतने बड़े-बड़े नेता और संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोग अवैध गिरफ्तारी और जांच एजें?सियों के शिकार हो रहे हैं। इसका लाभ सत्तारूढ़ दल को मिलता है। इससे जांच एजेंसियों की निष्पक्षता खत्म हो रही है।

लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर अब लोगों ने भी जांच एजेंसियों की कार्रवाई का खुलकर विरोध करना शुरू कर दिया है। अति सर्वत्र वर्जिते का यह ज्ञान हमें पुरखों से मिला हुआ है। अति इतनी ज्यादा हो गई है कि अब लोगों के सामने विरोध करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा। महंगाई, बेरोजगारी से आम आदमी को अपना जीवन जीने में कठिनाई आ रही है। उस पर सरकार का जो असंवेदनशीलता का रुख बना हुआ है। तरह-तरह से नियम कायदे के मकड़जाल में फंसने से आम आदमी का जीवन दूभर हो गया है। यह बगावत की स्थिति है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने गिरफ्तारी की चुनौती देकर एक तरह से व्यवस्था के खिलाफ बगावत के स्वर तेज किए थे। जिस तरह से विशेष अदालत और मुंबई हाई कोर्ट का निर्णय आया है। नारकोटिक्स के मामले में भी मुंबई हाई कोर्ट नारकोटिक्स विभाग की कार्यवाही को लेकर नाराजगी जता चुकी है। उसके बाद भी यदि स्थिति नियंत्रित नहीं हो रही है, तो आगे चलकर इसके भयावह परिणाम सामने देखने को ?मिलेंगे।

अमेरिका

बाइडेन की सफलता कसौटी पर

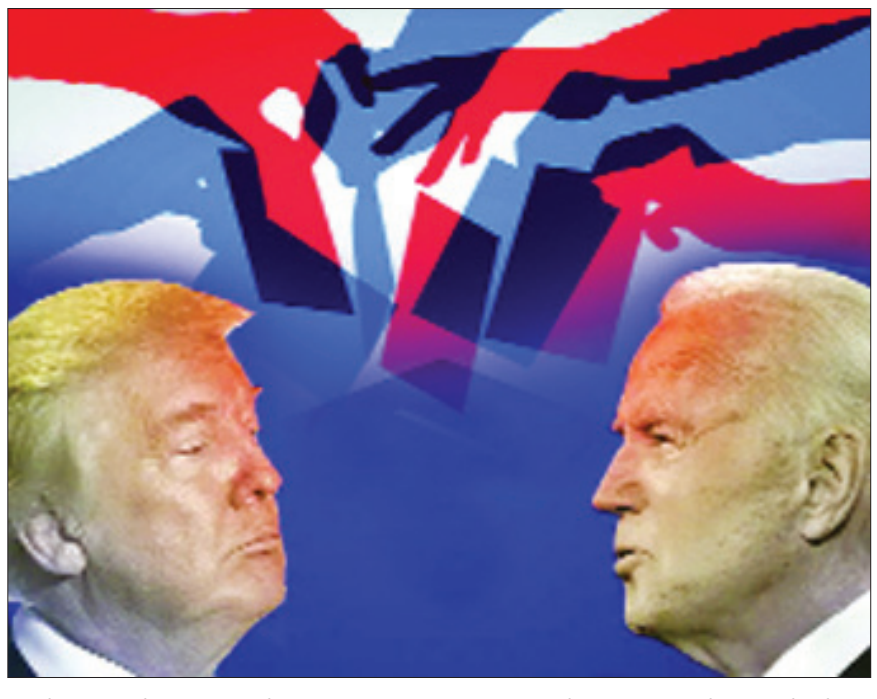

के. विक्रम राव

अमेरिकी वोटरों ने 8 नवम्बर, 2022 को तय कर दिया कि अस्सी-वर्षीय जो बाइडेन फिर से राष्ट्रपति बन पाएंगे अथवा डोनाल्ड ट्रंप अपनी दो वर्ष पूर्व की पराजय का बाइडेन से प्रतिशोध ले सकेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव 2024 में है। करीब चार करोड़ वोटरों ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों के (100-सदस्यीय सीनेट के पैंतीस तथा निचली सदन के 435) सदस्यों का भाग्य मतपेटी में कैद कर दिया है। ट्रंप का अभियान रहा कि अमेरिका आज विश्व पटल पर 'मजाक' बन गया है। ट्रंप ने मीडिया को बताया कि वे जल्द ही 'विशेष घोषणा' करेंगे। तब तक स्पष्ट हो जाएगा कि क्या सीनेट में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत मिल पाएगा या नहीं? अभी दोनों दलों के सदस्यों की संख्या समान (50-50) है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस हैं, जो सीनेट (राज्य सभा) की सभापति हैं। उनके वोट ही निर्णायक होते हैं, मगर निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के 435 सदस्यों के चुनाव में ट्रंप को बहुमत की आवश्यकता है।

ऐसे मतदान की घड़ी पर राष्ट्रपति बाइडेन ने मतदाताओं से ओजस्वी अपील की थी ः 'अपनी आवाज सुनाइए ः वोट दीजिए।' उनकी पार्टी का खास मुद्दा है ः 'हर नारी को गर्भपात कराने का हक है।' उच्चतम न्यायालय ने गत दिनों उसे अवैध करार दिया था। अपने दो वर्षो के शासन काल के गुण-दोष के आधार पर भी जो बाइडेन ने जनमत मांगा है। यूक्रेन की सुरक्षा भी उनकी पार्टी का खास मसला है। अभी हुए संसदीय चुनाव के परिणाम से तय हो जाएगा कि क्या कि राष्ट्रपति पद के लिए बाइडेन दुबारा प्रत्याशी बन पाएंगे या नहीं?

इन चुनावों को कई कारणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ये मध्यावधि चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बाकी बचे दो वर्षीय कार्यकाल की दिशा तय करेंगे। तमाम संकेत डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ हैं। गौरतलब है कि चुनाव पूर्व के जनमत सर्वेक्षणों से साफ संकेत मिले हैं कि हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में सत्ताधारी डेमोक्रेटिव पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाएगी। सीनेट का बहुमत भी वह गंवा सकती है। अगर ऐसा हुआ तो राष्ट्रपति बाइडन की मुश्किलें यकीनन बढ़ जाएंगी। वैसे भी राष्ट्रपति बाइडन की अलोकप्रियता का हाल यह है कि मिड-टर्म चुनाव के प्रचार के अभियान से उन्हें खुद को लगभग हटा लेना पड़ा है। पिछले कुछ दिनों से उन्होंने किसी बड़ी चुनाव सभा को भी संबोधित नहीं किया है। इसकी बजाय लोगों के छोटे समूहों से संवाद करने की रणनीति पर वे चल रहे हैं, जहां उन्हें अपने प्रशासन के कामकाज के बारे में स्पष्टीकरण देने का बेहतर मौका मिलता है। ब्रिटिश अखबार 'फाइनेंशियल टाइम्स' ने अपने एक आकलन में कहा है कि अगर दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत हो गया, तो वह बाइडन के खिलाफ कई तरह की जांच शुरू करवा सकती है। न केवल इतना, बल्कि वह प्रशासन के बजट प्रस्तावों को भी लटका सकती है। ऐसा होता है, तो यकीनन बाइडेन के लिए शासन करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। अमेरिका के मध्यवर्ती संसदीय चुनाव में 'रसोई' ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण अभियान का बिंदु है। आम वोटर भी महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था खासकर शस्त्र लाइसेंस का बेजा उपयोग, वेतन वृद्धि आदि से आजिज आ चुके हैं। इनके अतिरिक्त तीन अन्य प्रश्न भी उठते हैं। यदि ट्रंप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने तो क्या बाइडेन उनसे मुकाबला कर पाएंगे? स्वयं बाइडेन के स्थान पर डेमेक्रेटिक पार्टी के पास विकल्प कौन हैं? उधर रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन की आक्रामकता खासकर ताइवान की सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में विशेष ध्यान आकृष्ट करते हैं। स्पष्ट तौर पर यह चुनाव परिणाम राष्ट्रपति जो बाइडेन के दो वर्ष के कालखंड की उपलब्धियों और विफलताओं पर भी रायशुमारी होगा। कुल मिलाकर अमेरिका के विश्व शक्ति की स्थिति पर भी नजरिया तय होगा। इन्हीं बिंदुओं पर आगामी समय में अमेरिकी राजनीति वैश्विक उथल-पुथल का कारक भी बन सकती है। भविष्य के गर्भ में आशंकाएं और आशाएं समाहित हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रणवीर सिंह ने छोड़ा वाईआरएफ

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह को विशेष रूप से भारतीय कलाकार प्रबंधन फर्म कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क द्वारा प्रबंधित किया जाएगा। इससे पहले रणवीर सिंह को यश राज फिल्म्स के वाईआरएफ टैलेंट मैनेजमेंट द्वारा प्रबंधित किया गया था और उन्होंने उनके साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से भाग लिया, वैराइटी की रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। एक सूत्र ने वैराइटी को बताया, यह सबसे बड़ा और सबसे रोमांचक घटनाक्रम है क्योंकि यह आज भारत में सबसे रोमांचक ब्रांड, रणवीर सिंह और देश की सबसे शक्तिशाली प्रबंधन एजेंसी के साथ आने का प्रतीक है। रणवीर केवल 12 वर्षों में, भारत में सुपरनोवा बन गए हैं। उन्हें आज भारत के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में माना जाता है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति किसी और की तरह नहीं है। कलेक्टिव अब यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि रणवीर का उद्यम कैसे नई ऊंचाइयों को छू सकता है और वैश्विक मील के पत्थर बना सकता है। कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क को पहले क्वान के नाम से जाना जाता था, जिसका सीएए के साथ चार साल का संयुक्त उद्यम था जो 2016 में समाप्त हुआ जब क्वान ने कंपनी में सीएए की हिस्सेदारी खरीदी। क्रॉल (पूर्व में डफ एंड फेल्प्स) की 2022 सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट के अनुसार, वह भारत में 46 ब्रांडों का चेहरा हैं और उनकी इक्विटी बढ़ रही है। रणवीर का ब्रांड वैल्यूएशन वर्तमान में 158.3 मिलियन डॉलर है, जो भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली के बाद शीर्ष 10 भारतीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है, जिनकी कीमत 185.7 मिलियन डॉलर है और साथी स्टार अक्षय कुमार से आगे हैं, जिनकी कीमत 139.6 मिलियन डॉलर है। रणवीर सिंह के कई वैश्विक ब्रांड संघ हैं, जिनमें एनबीए, फीफा विश्व कप, प्रीमियर लीग, यूएफसी, यस आइलैंड और एडिडास शामिल हैं।

बिंदु माधवी ने कमल हासन को बताया टू जेंटलमैन

चेन्नई। मशहूर निर्देशक शंकर, मलयालम सुपरस्टार ममूटी और मोहनलाल और अभिनेत्री बिंदु माधवी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने सोमवार को अभिनेता कमल हासन को जन्मदिन की बधाई दी। ममूटी ने ट्विटर पर कमल के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रिय कमल हासन। आने वाला वर्ष शानदार हो।

उलगनायगन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, महान अभिनेता, मेरे प्यारे कमल हासन सर, जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आप हमें आने वाले कई और वर्षों तक प्रेरित और विस्मित करते रहें। ऐस निर्देशक शंकर, जो वर्तमान में कमल हासन के साथ उनकी आगामी फिल्म, इंडियन 2 में काम कर रहे हैं, ने लिखा, हमारे खजाने, बहुमुखी प्रतिभा वाले कमल हासन सर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। कई अन्य अभिनेताओं

जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। अभिनेत्री बिंदु माधवी, जिन्होंने कमल हासन के साथ नृत्य करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की, ने लिखा, चमक और ग्लैमर की इस दुनिया में, जहां चारों ओर पुरुष हैं.. आप सर, एक सच्चे सज्जन हैं। जन्मदिन मुबारक हो कमल सर। आप जानते हैं किसी महिला को स्पेशल फील कैसे कराएं।

मैं आत्म-प्रेम के लिए अपनी क्षमता पर नए सिरे से विचार कर रही हूं: स्वर्णमाल्या

चेन्नई। निर्देशक मणिरत्नम की अलैपायुथे और निर्देशक राधा मोहन की मोझी जैसी तमिल सुपरहिट फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री स्वर्णमाल्या का कहना है कि वह खुद के प्रति दयालु होना चाहती हैं। अपने विचारों को कलमबद्ध करने के लिए इंस्टाग्राम पर, स्वर्णमाल्या, जो एक अनुभवी शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं, ने लिखा, स्वयं के प्रति दयालु होना। मैं एक ऐसे युग में पैदा हुई थी जहां आत्म प्रेम की सराहना नहीं की गई थी। लेकिन मैं एक ऐसे युग में विकसित हुई जहां स्वयं जीवन के केंद्र में है। उन्होंने एक चोट से जूझने के बारे में भी बात की, जिसने उन्हें प्रभावित किया, पुरानी आदतें मुश्किल से मरती हैं। इसलिए मेरे लिए, आत्म-प्रेम दिखाना हमेशा एक प्रयास होता है। लेकिन, जैसा कि मैं एक चोट से जूझ रही हूं

आत्म प्रेम की अपनी क्षमता पर नए सिरे से विचार कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं अभी भी नहीं जानती कि कैसे, काफी स्पष्ट रूप से, लेकिन मेरे पास मेरे आस-पास प्यारे लोग हैं जो मुझे दिखाते हैं कि कैसे। जैसा कि वे कहते हैं, खुशी साझा होने पर दोगुनी हो जाती है और दर्द आधा हो जाता है। मैं वहां से शुरू करूंगी। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मुझे आशा है कि आप में से जो लोग आत्म-प्रेम के साथ संघर्ष करते हैं, वे आज अपने लिए मुस्कुराने का एक छोटा रास्ता खोज सकते हैं।

मैं हमेशा से फाइटर हूं मैं लड़ने जा रही हूं: सामंथा

मायोजिटिस नामक ऑटो-इम्यून बीमारी के लिए इलाज करवा रही दक्षिणी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री सामंथा का कहना है वह हमेशा से एक फाइटर रही हैं और इससे भी लड़ लेगी। अभिनेत्री, जिन्होंने अपनी आगामी फिल्म यशोदा के प्रचार के लिए अपने इलाज के लिए एक दिन की छुट्टी लेने का फैसला किया, ने अपनी वर्तमान स्थिति के बारे में बात की। यशोदा 11 नवंबर को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने कहा, कुछ अच्छे दिन होते हैं, कुछ बुरे। कुछ दिन, बिस्तर से उठना मुश्किल होता है, कुछ दिन मैं लड़ना चाहती हूं। धीरे-धीरे मैं जिन दिनों से लड़ना चाहती हूं, उन दिनों की तुलना में अधिक से अधिक देना चाहती हूं। मीडिया के उस हिस्से की खबरों को उन्होंने खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि यह स्थिति जीवन के लिए खतरा है। इस पर अभिनेत्री ने कहा, अब तीन महीने हो गए हैं। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं जल्द ही नहीं मर रही हूं। मैंने बहुत सारे लेख देखे जिनमें ऐसा वैसा बहुत कुछ कहा गया था। हां, यह एक ऑटोइम्यून स्थिति है और इसमें समय लग रहा है लेकिन मैं हमेशा एक लड़ाकू रही हूं और मैं लड़ने जा रही हूं। यह बताते हुए कि पिछले तीन महीने बहुत खराब रहे हैं, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उच्च खुराक वाली दवाएं ले रही हैं और डॉक्टरों के साथ संपर्क में लगातार बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने आगे अपनी बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि मैंने जीवन में हर चीज के बारे में बात की है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, लोगों को पता होना चाहिए कि हर किसी का समय अच्छा होता है और हर किसी का बुरा समय होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अमीर हैं या प्रसिद्ध। हर कोई इसे जानता है।

रितेश और जेनेलिया स्टारर मिस्टर मम्मी 18 नवंबर को करेगी दर्शकों को एंटरटेन

रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख स्टारर मिस्टर मम्मी अब 18 नवंबर 2022 को रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यानी शाद अली द्वारा निर्देशित इस गुदगुदाने वाली कॉमेडी का आनंद लेने के लिए फैन्स को बस थोड़ा और इंतजार करना होगा। बता दें इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का प्यार मिला है। ये फिल्म टी-सीरीज़ द्वारा निर्मित है। इस ट्विस्टेड लाफ्टर राइड का ट्रेलर पहले ही दर्शकों के दिलों में जगह बना चुका है। यह फिल्म भावनाओं, ड्रामा और ढेर सारी कॉमेडी से भरपूर पारिवारिक मनोरंजन है, जो निश्चित रूप से आपको हंसा हसां के लोटपोट कर देगी। पहले कभी नहीं देखे गए कॉन्सेप्ट के साथ इस फिल्म का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे है। टी सीरीज द्वारा प्रस्तुत मिस्टर मम्मी हेक्टिक सिनेमा प्रोडक्शन और बाउंड स्क्रिप्ट पिक्चर्स लिमिटेड प्रोडक्शन की फिल्म है जिसमें रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा अहम भूमिका में नजर आयेंगे। शाद अली द्वारा निर्देशित मिस्टर मम्मी टी-सीरीज, शिव अनंत और शाद अली द्वारा निर्मित है, जो अब 18 नवंबर को सिनेमाघरों में सबको एंटरटेन करेंगी।

सलमान किसी का भाई किसी की जान में भाग्यश्री और भूमिका के साथ आएंगे नजर?

सलमान खान की फिल्में रिलीज के पहले ही चर्चा में आ जाती हैं। इस समय वे किसी का भाई और किसी की जान में व्यस्त हैं और इस फिल्म के लिए कलाकारों का चयन भी चल रहा है। खबर है कि सलमान खान इस फिल्म में भूमिका चावला और भाग्यश्री के साथ भी नजर आएंगे। भाग्यश्री के साथ सलमान ने बतौर हीरो अपनी पहली फिल्म मैंने प्यार किया की थी जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। मैंने प्यार किया के रिलीज के बाद भाग्यश्री ने शादी कर ली और सलमान खान के साथ फिर उन्होंने कभी नहीं फिल्म नहीं की। दूसरी ओर भूमिका चावला के साथ सलमान ने तेरे नाम नामक सुपरहिट फिल्म की थी। सलमान और भूमिका की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म के बाद सलमान और भूमिका ने फिर कभी साथ फिल्म नहीं की। अब सलमान इन दोनों एक्ट्रेसेस के साथ बरसों बाद काम करने जा रहे हैं। हालांकि ऑफिशियल रूप से अभी कंफर्म नहीं किया गया है।

आंखें एक ऐसा तोहफा है जिसे आपको कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए: शिल्पा

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी, जो योग करती हैं, ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों से अपनी आंखों की अच्छी देखभाल करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि आंखें एक ऐसा उपहार है जिसे किसी को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के बारे में एक विस्तृत पोस्ट लिखते हुए, जो सूखापन और लाल आंखों का कारण बनता है, उन्होंने कहा, मैंने हाल ही में कहीं पढ़ा है कि स्क्रीन के लगातार संपर्क में आने से सूखापन और लाल आंख होती है, जिसे अब आमतौर पर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहा जाता है। इस जानकारी ने वास्तव में मुझे चिंतित कर दिया। हालांकि हम तकनीक से बच नहीं सकते हैं, हम जो कर सकते हैं वह पर्याप्त नमी बनाए रखते हुए अपनी आंखों की उचित देखभाल कर सकते हैं। आंखों की सफाई की दिनचर्या या नेत्र योग का अभ्यास करने के लिए दिन के दौरान कुछ मिनट बाहर निकलें। यह दिनचर्या दृष्टि में सुधार करने में मदद करती है। यह डिजिटल आंखों के तनाव को कम करने में भी मदद करती है, आंखों के सूखेपन को रोकती है और आंखों के क्षेत्र में रक्त परिसंचरण को बढ़ाती है, जिससे एकाग्रता में सुधार शामिल है। अपनी आंखों का ख्याल रखना, मेरे प्यारे इंस्टा परिवार, यह एक ऐसा उपहार है जिसे हमें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। अभिनेत्री ने आंखों पर तनाव कम करने

35 साल बाद फिर एक साथ आएंगे कमल हासन और मणिरत्नम

भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्देशकों में शुमार मणिरत्नम इन दिनों अपनी हालिया प्रदर्शित और ब्लॉकबस्टर रही फिल्म पोन्नियन सेल्वन-1 को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कारोबार करते हुए 500 करोड़ की कमाई कर ली है। हालांकि यह मणिरत्नम के जोनर की फिल्म नहीं थी। उन्होंने पहली बार किसी ऐतिहासिक दस्तावेज पर आधारित फिल्म का निर्देशन किया है। पोन्नियन सेल्वन-1 कल्कि के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है, जिसमें चोल साम्राज्य की कथा है। मणिरत्नम इन दिनों जहाँ अपनी इस फिल्म को लेकर चर्चाओं में रह रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी चर्चा इस बात को लेकर भी हो रही है कि वे पोन्नियन सेल्वन-2 के बाद अपनी दूसरी फिल्म शुरू करने जा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने कॉलीवुड के ख्यातनाम सितारे कमल हासन से हाथ मिलाया है। कमल हासन और मणिरत्नम अन्तिम बार 35 साल पहले फिल्म नायकन के लिए एक साथ आए थे। नायकन भारतीय सिनेमा की कल्ट फिल्मों में शामिल होती है। इस फिल्म के लिए कमल हासन ने राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया था। इस फिल्म का ऐलान करते हुए निर्देशक मणिरत्नम ने धमाकेदार एनाउंसमेंट वीडियो जारी किया है। फिल्म स्टार कमल हासन ने खुद भी इस टीजर वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए कमल हासन ने लिखा, हम फिर आ रहे हैं। इसी के साथ मणिरत्नम ने एक बार फिर से संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ भी हाथ मिलाया है। कमल हासन अभिनीत इस आने वाली फिल्म के संगीत की बागडोर मणिरत्नम ने रहमान को सौंपी है, जिन्होंने उनकी हालिया प्रदर्शित फिल्म पोन्नियन सेल्वन-1 का संगीत दिया था। वैसे भी मणिरत्नम अपनी फिल्मों के संगीत के लिए ए.आर. रहमान को लेकर लेते हैं। कमल हासन इस वर्ष अपनी 400 करोड़ी फिल्म विक्रम को लेकर लगातार चर्चाओं में रहे हैं। इस फिल्म की सफलता के जरिये उन्होंने लम्बे समय बाद परदे पर सफलतम वापसी की थी।

टी20 विश्वकपः टीम इंडिया को दस विकेट से रौंदकर फाइनल में पहुंची इंग्लैंड

रविवार को पाक से होगा खिताबी मुकाबला

एडीलेड (एजेंसी)।

इंग्लैंड ने यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया को दस विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। अब खिताबी मुकाबले में रविवार को उसका सामना पाकिस्तान से होगा। पाक टीम ने पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। पहले सेमीफाइनल की तरह ही यहां खेला गया दूसरा सेमीफाइनल भी एकतरफा रहा और भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 168 रन बनाये। इस प्रकार इंग्लैंड को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने 80 और एलेक्स हेल्स ने 86 रनों की आक्रामक पारी खेली। इस जोड़ी ने 16 ओवर में ही 170 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में भारतीय टीम खेल के किसी भी क्षेत्र में नहीं टिक पायी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही नाकाम रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोकेश राहुल 5 रन बनाकर आउट हो गये। राहुल क्रिस वोक्स की गेंद पर जोस बटलर के हाथों कैच हुए। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पारी को आगे बढ़ाया। रोहित और विराट ने भारतीय टीम को 56 रनों तक पहुंचाया तभी रोहित 21 रन बनाकर जोर्डन की गेंद पर सैम करेन के हाथों कैच हुए। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 14 रन बनाकर साल्ट का शिकार बने। इसके बाद कोहली 50 और हार्दिक पांड्या 63 ने पारी को संभाला और उसे आगे बढ़ाया। दोनो ने ही बढ़े शॉट लगाकर रन गति भी बढ़ायी। हार्दिक ने 47 गेंदों पर चार चौके और पांच छक्के लगाये जबकि विराट ने 40 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाया। वहीं इंग्लैंड की ओर से क्रिस जॉर्डन ने 3 विकेट जबकि क्रिस वोक्स और आदिल रशीद ने एक-एक विकेट लिया।

भारत की लवलीना और अल्फिया एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची

अमान (एजेंसी)।

भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और अल्फिया पठान जॉर्डन के अम्मान में खेली जा रही एएसबीसी एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गयी हैं। लवलीना और अल्फिया ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते हैं। लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में दक्षिण कोरिया की सेओंग सुयोन पर 5-0 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही लवलीना ने इस सत्र में रजत पदक पक्का कर लिया है।

वहीं 81 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में अल्फिया ने 2016 की विश्व चैंपियन कजाकिस्तान की लज्जत कुंगेइबायेवा को 5-0 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। अल्फिया ने इस अनुभवी मुक्केबाज को दूसरी बार हराया है।

अब फाइनल में लवलीना का मुकाबला एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता रुज्मेतोवा सोखीबा से होगा जबकि अल्फिया का मुकाबला जॉर्डन की इस्लाम हुसैली से होगा। वहीं एक अन्य सेमीफाइनल में भारत की ही अंकुशिता बोरो को उज्बेकिस्तान की खामिदोवा नवबखोर के खिलाफ सेमीफाइनल में 1-4 से हार गयीं जिससे उन्हें कांस्य ही मिला।

आईपीएल के अगले सत्र के लिए 23 दिसंबर को कोच्चि में होगी नीलामी

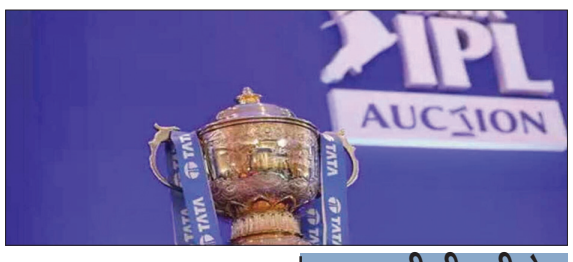

मुंबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 23 दिसंबर को केरल के कोच्चि में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार इस नीलामी के लिए बेंगलुरु, नई दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद के अलावा तुर्की का इस्तांबुल शहर भी मेजबानी की दौड़ में शामिल था।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, लॉजिस्टिक जरूरतों और तारीखों को देखते हुए कोच्चि हमें सबसे उपयुक्त स्थल लगा। इस बार खिलाड़ियों की कम संख्या में नीलामी होगी। इसके अलावा आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी टीमों को पहले ही 15 नवंबर तक रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची देने को कहा गया है। इसके साथ ही 2023 सत्र के लिए खिलाड़ियों पर खर्च करने वाली रकम को 90 से बढ़ाकर 95 करोड़ रुपये किए जाने की भी उम्मीद है। वहीं पिछली मेगा नीलामी में 107 कैप्ड खिलाड़ी और 97 अनकैप्ड खिलाड़ी बिके थे और इस प्रकार कुल 551.7 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

2022 की नीलामी के बाद आईपीएल टीमों के पास शेष रकम

पंजाब किंग्स- 3.45 करोड़ रुपये
लखनऊ सुपर जायंट्स- 0
चेन्नई सुपर किंग्स- 2.95 करोड़ रुपये
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर- 1.55 करोड़
राजस्थान रॉयल्स- 0.95 करोड़ रुपये
कोलकाता नाइट राइडर्स- 0.45 करोड़
गुजरात टाइटंस- 0.15 करोड़ रुपये
मुंबई इंडियंस- 0.10 करोड़ रुपये
सनराइजर्स हैदराबाद- 0.10 करोड़
दिल्ली कैपिटल्स- 0.10 करोड़ रुपये

टी20 विश्व कप में शर्मनाक हार के बाद आया रोहित का बयान, कहा- किसी को दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते

एडिलेड (एजेंसी)।

एडीलेड। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनके खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार को यहां टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दबाव में आ गये। उन्होंने 10 विकेट की शर्मनाक हार के लिये अपने गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया।

भारतीय गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और जोस बटलर ने 169 रन के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाये चार ओवर रहते हासिल कर लिया। रोहित ने मैच के बाद कहा कि आज के नतीजे से काफी निराश हूं। हमने अपनी पारी के अंत में अच्छी बल्लेबाजी कर यह स्कोर बनाया। हम गेंदबाजी में अच्छे नहीं रहे।

यह निश्चित रूप से ऐसा विकेट नहीं था जिसमें एक टीम 16 ओवर में ही यह लक्ष्य हासिल कर लेती। आज हम गेंद से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि जब नॉकआउट चरण में पहुंच जाते हैं तो इसमें दबाव से निपटना अहम हो जाता है। यह हरेक व्यक्ति पर भी निर्भर करता है। आप किसी को भी दबाव से निपटना नहीं सिखा सकते। जब ये खिलाड़ी आईपीएल के प्लेऑफ में खेलते हैं तो ये मैच काफी दबाव वाले मुकाबले होते हैं और वे इससे अच्छी तरह निपटते हैं।

रोहित ने कहा कि हमने गेंद से जैसी शुरूआत की, वह आदर्श नहीं थी। हम थोड़े नर्वस थे। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आपको उनके सलामी बल्लेबाजों को श्रेय देना होगा, वे काफी अच्छी तरह खेले। मुझे लगता है कि पहले ओवर में यह थोड़ी स्विंग हुई, लेकिन सही क्षेत्र में नहीं। उन्होंने कहा कि जब हमने पहला मैच जीता तो इसमें काफी जज्बा दिखा था। बांग्लादेश के खिलाफ मैच थोड़ा पेचीदा रहा। मुझे लगता है कि हमने संयम बनाये रखा और अपनी योजना पर डटे रहे। आज ऐसा नहीं कर सके।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टूर्नामेंट के शुरू में आयरलैंड से मिली उलटफेर भरी हार के बाद शानदार वापसी के लिये टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आयरलैंड से मिली हार के बाद हमने जिस तरह का जज्बा दिखाया है, वह शानदार है। हम यहां आकर काफी उत्साहित थे। बटलर ने कहा कि आज पहले से 11वें नंबर के खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम हमेशा तेज और आक्रामक शुरूआत करना चाहते हैं।

हेल्स की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हेल्स ने मैदान का बखूबी इस्तेमाल किया और उसने अपनी फॉर्म दिखायी। वह आज शानदार था। हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। हेल्स को 47 गेंद में 86 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के लिये मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने इसे विशेष पारी और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रात करार दिया क्योंकि उन्होंने कभी भी एक और विश्व कप खेलने की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कि यह परफेक्ट पारियों में निश्चित रूप से सबसे ऊपर होगी। बड़ा पल, भारत से विश्व कप के सेमीफाइनल में भिड़ना। खुश हूं कि मैंने ऐसी विशेष पारी खेली।

खेल के स्तर को बेहतर बनाने रैफरियों का वेतन बढ़ाएगा एआईएफएफ

नई दिल्ली। अब भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) खेल के स्तर को बेहतर बनाने के लिए जल्द ही देश में 50 रेफरी नियुक?त करने जा रहा है। इसके साथ ही एआईएफएफ का लक्ष्य इन रैफरियों को बेहतर वेतन देना है ताकि ये बेहतर तरीके से काम कर सकें। यह नियुक्तियां हालांकि अनुबंध के आधार रहेंगी। अब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की ओर से नियुक?त किए जाने वाले रेफरी को 50 हजार से 80 हजार रुपये प्रति माह वेतन दिया जाएगा जिससे वह बेहतर तरीके से गुजारा कर सकें। अभी तक रेफरी को दिया जाने वाला वेतन बहुत कम है। राज्य लीग में एक रेफरी को 2500 से 5000 रुपये और राष्ट्रीय लीग में 8000 से 10,000 रुपये तक मिलते हैं। यह सालाना ढाई लाख रुपये से तीन लाख रुपये होते हैं जिसमें जीवन यापन कठिन रहता है। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि रेफरी के स्तर में तभी सुधार किया जा सकता है। जब रेफरी को पर्याप्त पैसा मिले जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें और वह पूर्णकालिक पेशे के रूप में काम कर सकें। इसके लिए उन्हें एक तय मानदेय देना होगा। गौरतलब है कि इंडियन सुपर लीग टीमों के दौरान विदेशी कोच भारतीय रेफरी की गलतियों के लिए उनकी आलोचना करते रहे हैं।

कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने विश्व के पहले बल्लेबाज बने

एडिलेड। टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट सेमीफाइनल में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4000 रन बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली को 4000 टी20 रनों को पूरा करने के लिए केवल 42 रनों की जरूरत थी, जिसे उन्होंने भारत की पारी के 15वें ओवर में ही आदिल राशिद की गेंद पर चौका लगाकर हासिल कर लिया। कोहली को 2014 और 2016 दोनों ही टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला था। जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र क्रिकेटर बने हैं। कोहली टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने खिलाड़ी बने हैं। इस सूची में वह कप्तान रोहित शर्मा, मार्टिन गप्टिल, बाबर आजम और पॉल स्टर्लिंग से आगे हैं। कोहली ने टी 20 विश्व कप 2022 में 6 मैचों में सबसे ज्यादा 296 रन बनाये हैं। कोहली ने इस टूर्नामेंट में चार अर्धशतक लगाये हैं।

बड़े मुकाबलों में फ्लॉप रही है न्यूजीलैंड , 12 बार खिताब के करीब आकर भी खाली हाथ लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन विलियम्सन की कप्तानी में टी20 विश्वकप क्रिकेट के आठवें सत्र की जीत से शुरुआत करने वाली न्यूजीलैंड का सफर एक बार फिर निराशाजनक तरीके से समाप्त हो गया। टीम एक बार फिर सेमीफाइनल की बाधा पार नहीं कर पायी। यह 12 वीं बार है जब टीम को सेमीफाइनल या फाइनल में हार के कारण खिताब से वंचित रहना पड़ा है। देखने में आया है कि स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी कीवी टीम दबाव में ढ़ह जाती है। इससे एक बार फिर उसका विश्वकप जीतने का इंतजार बढ़ गया है। कीवी टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप भी नहीं जीत पायी है। एकदिवसीय विश्वकप 1975 से खेला जा रहा है। इस प्रकार 47 साल से कीवी टीम ने अब तक कोई खिताब नहीं जीता है। इस दौरान उसे एकदिवसीय ओर टी20 में कुल मिलाकर 12 बार सेमीफाइनल ओर फाइनल खेलने के अवसर मिले हैं पर हमेशा ही उसके हाथ नाकामी लगी है। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

न्यूजीलैंड के टी20 विश्व कप के रिकॉर्ड को देखें, तो उसने साल 2007 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, तब उसे पाकिस्तान ने ही 6 विकेट से हराया था। फिर 2016 में भी टीम अंतिम-4 में जगह बनाने में सफल रही थी, तब उसे इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले साल न्यूजीलैंड टीम ने फाइनल में जगह बनायी थी। इसें उसे ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से हराया था। यानी टीम टी20 विश्व कप में 4 बार खिताब के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी जबकि विश्व कप की बात करें, तो अब तक 12 सत्र हुए हैं। इस दौरान न्यूजीलैंड ने 2 बार फाइनल और 6 बार सेमीफाइनल में स्थान बनाया है। साल 1975 और 1979 में टीम सेमीफाइनल से बाहर हुई थी। फिर 1992, 1999, 2007 और 2011 में एक बार फिर उसे सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वहीं 2015 और 2019 में भी टीम फाइनल में पहुंच पर खिताब नहीं जीत सकी।. 2015 में उसे ऑस्ट्रेलिया ने जबकि 2019 में उसे इंग्लैंड से बाउंड्री काउंट नियम से हार मिली थी।

निस स्टार सानिया मिर्जा की जिंदगी में आया भूचाल, शौहर शोएब से लिया तलाक, दोस्त ने की पुष्टि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक के रिश्ते के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। काफी समय से खबरें आ रही थी कि दोनों के रिश्ते में खटास आ गई है, जिसकी अब पुष्टि हो गई है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों ने तलाक ले लिया है, जिसका खुलासा पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के खिलाड़ी और शोएब के दोस्त ने किया है। ये खबर सामने आने के बाद दोनों के ही फैंस का काफी धक्का लगा है। तलाक के बाद शोएब पाकिस्तान और सानिया दुबई में रह रही है। हालांकि अब तक इस खबर की दोनों खिलाड़ियों में से किसी ने पुष्टि नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि दोनों के बीच तलाक का कारण दरअसल शोएब का अफेयर है। कहा जा रहा है कि शोएब किसी दूसरी लड़की को डेट कर रहे है। ये दूसरी लड़की मॉडल आयशा कमर मानी जा रही है। बता दें कि वर्ष 2021 में शोएब मलिक और आयशा ने एक बोल्ड फोटो शूट करवाया था। इस फोटोशूट के बाद शोएब मलिक ने कहा था कि आयशा ने उनकी काफी मदद की है। बता दें कि आयशा उमर पाकिस्तानी अभिनेत्री, मॉडल और यूट्यूबर है। वो पाकिस्तान की सबसे अधिक कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में शामिल है। इसके बाद से ही दोनों के अफेयर की चर्चा होने लगी है। इस कारण सानिया और शोएब के बीच अनबन होने लगी है। मामला सुलझता ना देखते हुए दोनों ने ही अलग होने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शोएब ने सानिया को धोखा दिया है और यही कारण है कि दोनों ने अलग होने का फैसला किया है।

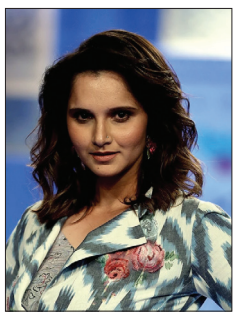

फीडे महिला कैंडिडेट- चीन की लेई टिंगजे नें बनाई फाइनल में जगह

मोंटी कार्लो, मोनोको। फीडे महिला कैंडिडेट टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी, उक्रेन की एना मुजयचूक और ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक को पीछे छोड़ते हुए चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे नें फाइनल में अपनी जगह बना ली है । सेमी फाइनल मुक़ाबले में उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ पहले तीन क्लासिकल मुक़ाबले के बाद स्कोर 1.5-1.5 से बराबर था पर अंतिम चौंथे मुक़ाबले में लेई नें सफ़ेद मोहरो से गुन्फ़ील्ड ओपनिंग में 42 चालों में जीत हासिल करते हुए 2.5-1.5 फाइनल में प्रवेश कर लिया अब उनका मुक़ाबला पूल बी से फाइनल पहुँचने वाली खिलाड़ी से होगा । फाइनल जीतने वाली खिलाड़ी विश्व चैम्पियन चीन की जू वेंजून के साथ विश्व चैंपियनशिप खेलेगी ।

फीफा वर्ल्ड कप 2022 : 32 टीमों में एक खिताब के लिए होगी जंग, ऐसा है फुटबॉल वर्ल्डकप का पूरा शेड्यूल

दोहा (एजेंसी)।

फीफा फुट बॉल वर्ल्ड कप 2022 का आयोजन इस वर्ष कतर में होने जा रहा है। कतर में होने वाले इस वर्ल्ड कप में स्पेन, जर्मनी, ब्राजील जैसी मजबूत टीमें खिताब के लिए दावेदारी पेश करने उतरेंगी। इन टीमों को वर्ल्ड कप का मजबूत दावेदार भी माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन फ्रांस भी बड़ा उलटफेर करने का माद्दा रखती है। इसके अलावा बीते टूर्नामेंट की रनरअप टीम क्रोएशिया भी उलटफेर कर सकती है।

इस वर्ल्ड कप 2022 के लिए सभी टीमों को आठ ग्रुपों में विभाजित किया गया है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला कतर और इक्वाडोर के बीच होना है, 20 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले की बात करें तो फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले टीमों ने अपने स्क्वाड का एलान करना शुरू कर दिया है।

जानें वर्ल्ड कप का फॉर्मेट

इस वर्ल्ड कप में हर टीम अपने ग्रुप की सभी टीमों से एक एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रुप में शानदार प्रदर्शन करने वाली शीर्ष दो टीमों को राउंड ऑफ 16 में जाने का मौका मिलेगा। सभी ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के बीच नॉकआउट मुकाबले होंगे। इसके बाद जो भी टीमें जीत हासिल करती जाएंगी उन्हें टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका मिलता रहेगा। वहीं मैच हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ेगा।

राउंड ऑफ में आठ मुकाबले होने है, जिनमें 16 टीमों में से आठ टीमें मैच जीतेंगी और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। क्वार्टर फाइनल में आठ टीमें आएंगी जो चार मुकाबले खेलेंगी। इन चार मुकाबलों में जीत हासिल करने वाली टीमें सेमीफाइनल का सफर तय करेंगी। सेमीफाइनल में जीत हासिल करने के बाद फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

जानें मैच का पूरा शेड्यूल

इस वर्ष फुटबॉल वर्ल्ड कप 2022 का आयोजन कतर में 20 नवंबर से होगा। वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज के मुकाबले 20 नवंबर से दो दिसंबर तक खेले जाने है। इसके बाद तीन से छह दिसंबर के बीच राउंड ऑफ 16 के मुकाबले आयोजित किए जाने है। वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के मैचों में ब्रेक नहीं दिया गया है। राउंड ऑफ 16 के बाद नौ और 10 दिसंबर को क्वार्टर फाइनल मुकाबले होंगे। इसके बाद 13-14 दिसंबर को सेमीफाइनल मुकाबले और 18 दिसंबर को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला जाएगा।

जाने किस समय आएंगे मैच

जानकारी के मुताबिक ग्रुप स्टेज, राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के लिए समय अलग अलग है। ये सभी मैच रात 8.30 बजे, रात 9.30, रात 12.30, दोपहर 3.30 और शाम 6.30 बजे मैच शुरू होंगे। इन मैचों का आयोजन कतर के आठ अलग अलग स्टेडियम में किया जाना है। बता दें कि पूरे वर्ल्ड कप के दौरान कुल 64 मुकाबले खेले जाएंगे।

ये टीमें भिड़ेंगी

वर्ल्ड कप में सभी टीमों की भिड़ंत पहले एक दूसरे के साथ ग्रुप में होगी। इस बार के ग्रुप इस प्रकार है।

ग्रुप-एः कतर, सेनेगल, इक्वाडोर, नीदरलैंड्स
ग्रुप-बीः वेल्स, इंग्लैंड, ईरान, यूएसए
ग्रुप-सीः सऊदी अरब, पोलैंड, मैक्सिको, अर्जेंटीना
ग्रुप-डीः डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ट्यूनिसिया
ग्रुप-ईः जापान, कोस्टारिका, स्पेन, जर्मनी
ग्रुप-एफः कनाडा, क्रोएशिया, मोरक्को, बेल्जियम,
ग्रुप-जीः ब्राजील, स्विटजरलैंड, कैमरून, सर्बिया,
ग्रुप-एचः घाना, पुर्तगाल, कोरिया रिपब्लिक, उरुग्वे,

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान-पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एंडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स लाल होना व सूजन आना
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं- आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेन्टोकॉकस जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं। इनमें निम्न उपचार प्रमुख हैं :

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- नर्म चीजें खाएं, जैसे हलवा, जई (ओट्स) और सूप।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर पेरासिटामोल या आई ब्रुफिन लेते रहें।
- नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, तभी डॉक्टर एंटी-फंगल दवाएं देते हैं।
- अदरक, कैमोमाइल या कुठरा की चाय गले में आराम भी देती है और इसमें जीवाणुरोधक गुण भी हैं।
- धूम्रपान न करें और मिर्च-मसाले का भोजन न लें।

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक हैं। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब यह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेंफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियो वॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का पड़ता है। ईंधन के जलने, बिजली के उपकरण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण सांस फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने लगता है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास वाले पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- नीम प्रदूषकों को अवशोषित करके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्युकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो बार नीम की 3-4 पत्तियां चबाने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है। इसे घी के साथ मिलाकर लेना कफ में आराम देता है और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।
- रोज 2-3 चम्मच देसी घी खाएं, ये लेड व पारे जैसे हानिकारक तत्वों को शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला पॉउडर वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्यूनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपालभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे जिंक, पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का खतरा बढ़ाती है। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी हवा बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है। तीसरा सर्दियों में स्मोग (स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। प्रदूषित वायु श्वास नलिकाओं और फेफड़ों के साधे संपर्क में आने से ऊतकों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है जिससे वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में चेहरे व नाक को ढक कर रखें, जब तापमान बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम न करें, मुंह के बजाय नाक से सांस लें, ताकि फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क में न आएं। दमा या सांस के रोगी एन 95 मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। गहरी सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े साफ होते हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन अंदर जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग का सही तरीका है, नाक से सांस अंदर लो और मन ही मन 1-2-3-4 तक गिनो, फिर मुंह से सांस छोड़ो और 1-2-3-4-5-6-7-8 तक गिनो। गहरी सांस छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर फ्रेशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। -घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40-50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार-बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार-बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा-सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

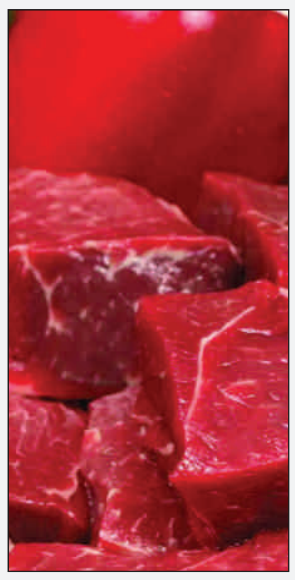

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है, और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल है।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका कहना है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करना और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टिक से कैंसर होने की बात को गलत ठहराते हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना गलत होगा। जानकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी क्वालिटी का प्लास्टिक लिया जाए तो कैंसर का खतरा टाला जा सकता है। वैसे जानकारों की सलाह है कि जहां तक हो सके खाने-पीने के लिए स्टील और कांच के बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक की क्वालिटी को लेकर सरकार भी काफी सख्त है। प्लास्टिक के प्रोडक्ट्स के लिए बाकायदा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कंपनियां लोगों की आंखों में धूल न झोंक पाएं। फिर भी लोग हल्की क्वालिटी के प्लास्टिक के टिफिन और बोतल खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

कॉप-27 सम्मेलन में दिव्यांग लोगों को मिला अलग समूह का दर्जा

वॉशिंगटन। दिव्यांग अधिकारों पर अपना ध्यान केंद्रित करने वाले जलवायु कार्यकर्ताओं ने पिछले साल संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में एक बड़ी जीत हासिल की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन को कॉप (सीओपी) भी कहा जाता है। कॉप-27 सम्मेलन के आयोजक संयुक्त राष्ट्र सचिवालय ने उन्हें एक अलग समूह (कॉकस) के रूप में मान्यता दी और उन्हें आधिकारिक दर्जा प्राप्त हो गया। उनका कहना है कि यह कार्यवाही में आधिकारिक रूप से शामिल होने के लिए वर्षों से किए जा रहे प्रयासों के परिणाम था। इसका इस सप्ताह और आने वाले समय में खासा असर होगा। कॉकस के किसी सदस्य को सम्मेलन के पूर्ण सत्र में उपस्थित लोगों को दिव्यांगता समावेशन के बारे में संबोधित करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा समूह के एकत्र होने के लिए एक आधिकारिक स्थान होगा। सम्मेलन के आयोजकों तक समूह के सदस्यों की अधिक पहुंच होगी जिससे वे विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों, वार्ताकारों, दिव्यांगता अधिकार संगठनों सहित अन्य उपस्थित लोगों से आसानी से संपर्क कर सकेंगे। न्यूजीलैंड के एक दिव्यांग जलवायु कार्यकर्ता केरा शेरवुड-ओ रीगन के अनुसार इस वर्ष आयोजन स्थल पर दो बदलाव किए गए हैं, ताकि दिव्यांग लोगों को वहां पहुंचने में सहूलियत हो सके। ऐसे लोगों को जिन्हें चलने-फिरने में समस्या है, वे एक अलग पंक्ति के जरिए सम्मेलन स्थल तक जा सकते हैं। इससे उन्हें लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ता है।

दुनियाभर में हर साल 15 लाख लोगों की समय से पूर्व मृत्यु होने की वजह बन सकता है वायु प्रदूषण

वॉशिंगटन। दुनियाभर में हर साल 15 लाख लोगों की समय से पूर्व मृत्यु होने की वजह महीन प्रदूषण कण (पीएम 2.5) हो सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि वायु प्रदूषण का कम स्तर सोच से कहीं अधिक खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के हाल के आकलन के अनुसार, हर साल वायु प्रदूषण के बारीक कणों से लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण 42 लाख से अधिक लोगों की समय से पहले मृत्यु हो जाती है। पत्रिका 'साइंस एडवांसेज' में प्रकाशित अध्ययन से संकेत मिलता है कि प्रदूषण के इन महीन कणों के संपर्क में आने से दुनियाभर में हर साल होने वाली मौत अनुमान से कहीं अधिक हो सकती है। केवल सूक्ष्मदर्शी से देखे जा सकने वाले ये कण हृदय तथा श्वसन संबंधी बीमारियों और कैंसर की वजह हो सकते हैं। कनाडा में मैकगिल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर तथा मुख्य अनुसंधानकर्ता स्कॉट विवेंथल ने कहा, ''हमने पाया कि बाहरी पीएम2.5 हर साल दुनियाभर में 15 लाख अतिरिक्त मौत के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

फिर से राष्ट्रपति पद के चुनाव लड़ने पर अंतिम फैसला परिवार का: बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का कहना है कि वह 2024 में फिर से राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में ''अंतिम फैसला परिवार करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि फिर से चुनाव लड़ने के संबंध में फैसला क्रिसमस-नववर्ष के आसपास किया जा सकता है। बाइडन ने कहा, हमारी मंशा फिर से चुनाव लड़ने की है। इस चुनाव का परिणाम चाहे कुछ भी रहता, हमारी मंशा पहले से ही फिर चुनाव लड़ने की थी।'' उन्होंने कहा, डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रदर्शन सभी की आशाओं से बढ़कर बहुत अच्छा रहा है और यहां तक कि जॉन एफ.कैनेडी (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति) के शासनकाल के बाद से नतीजे सबसे अच्छे रहे। इससे सभी ने राहत की सांस ली है, कि रिपब्लिकन फिर से सत्ता में नहीं लौट रहे हैं। बाइडन ने कहा, फिर से चुनाव लड़ने के संबंध में, मैं घोषणा करता हूं। मेरा विचार फिर से चुनाव लड़ने का है, लेकिन मैं किस्मत पर भरोसा करता हूं और अंतिम फैसला परिवार का होगा।'' राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है, कि सभी चाहते हैं कि वह फिर चुनाव लड़ें। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 15 नवंबर को की जाने वाले संभावित महत्वपूर्ण घोषणा के संदर्भ में बाइडन ने कहा, हालांकि हम इसपर चर्चा करने वाले हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति क्लार्क का नोबेल शांति पुरस्कार पदक चोरी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति एफ.डब्ल्यू.डी. क्लार्क का नोबेल शांति पुरस्कार पदक केप टाउन स्थित उनके घर से चोरी हुआ है। उनके फाउंडेशन ने इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति क्लार्क को 1993 में नेल्सन मंडेला के साथ संयुक्त रूप से यह पुरस्कार दिया गया था। मंडेला 27 साल जेल की सजा काटने के बाद 1994 में देश के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने थे। लोकल मीडिया की खबरों के मुताबिक अप्रैल में क्लॉर्क के घर से पदक की चोरी हुई। वहां के एक पूर्व कर्मचारी पर चोरी का आरोप है। कुछ गहने और अन्य चीजें भी उनके घर से चोरी हुई थीं। क्लार्क जीवनभर दक्षिण अफ्रीका में एक विवादास्पद शख्स के रूप में चर्चा में बने रहे। अपनी कई टिप्पणियों के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा था कि रंगभेद मानवता के खिलाफ अपराध नहीं है। हालांकि निधन से पहले उन्होंने सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। 2021 में उनका निधन हो गया था।

ग्वांगझोउ में लॉकडाउन से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित, अर्थव्यवस्था में रिस्टोर करने की रफ्तार धीमी

बीजिंग। कोरोना (कोविड-19) महामारी पर काबू पाने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन से चीन का आर्थिक शहर ग्वांगझोउ बुरी तरह प्रभावित है। इसके कारण ग्लोबल सप्लाई चेन बाधित हुई है और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में रिस्टोर करने की रफ्तार धीमी हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि जिले में सभी को कम से कम रविवार तक घर में ही रहने का आदेश दिया गया है। हर परिवार के एक सदस्य को दिन में एक बार बाहर निकलने की इजाजत दी गई है। ग्वांगझोउ के अधिकारियों का कहना है कि करीब 1.3 करोड़ आबादी वाले शहर में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 2500 नए मामले सामने आए, जिसके बाद यह आदेश दिया गया। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री के आसपास लॉकडाउन लगा दिया गया था। कोविड की वजह से फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी भागने लगे थे। कोरोना संक्रमण को अन्य इलाकों में फैलने से रोकने के लिए चीन ने यह बड़ा कदम उठाया था।

सीआईएसए को अमेरिका की मतदान प्रणाली में हस्तक्षेप के कोई सबूत नहीं मिले

वाशिंगटन। यूएसए के मध्यावधि चुनाव में साइबर हमले के कोई संकेत नहीं मिले हैं। कुछ राज्य तथा स्थानीय सरकारों के साइबर हमले की चपेट में आने की खबर मिली और कई वेबसाइट भी पहुंच से बाहर हो गईं। अमेरिका और स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि किसी ने भी मतगणना के बुनियादी ढांचे में हस्तक्षेप नहीं किया गया। अमेरिका साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी (सीआईएसए) के निदेशक जेन ईस्टरली ने एक बयान में कहा, हमें किसी मतदान प्रणाली में हस्तक्षेप के कोई सबूत नहीं मिले हैं। सीआईएसए और अन्य संघीय एजेंसियों ने आगाह किया कि अमेरिकी चुनाव की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है। सबसे अधिक खतरा घरेलू स्रोतों से ही है। रूस, चीन और ईरान जैसे कई देशों ने अभियानों में हस्तक्षेप करने और सोशल मीडिया पर झूठी व भ्रामक खबरें फैलाने की कोशिश की है। ईस्टरली ने कहा, यह याद रखना जरूरी है कि कानूनों के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस संपूर्ण प्रक्रिया में कई दिन या सप्ताह लग सकते हैं। इन जटिल प्रक्रियाओं के कारण ही अमेरिकी लोगों को चुनाव की सुरक्षा और अखंडता पर भरोसा है। मिसिसिपी के राज्य सचिव की वेबसाइट मंगलवार को बंद हो गई थी।

माले में भीषण आग में 10 लोगों की मौत, मृतकों में भारतीय भी शामिल

वाशिंगटन। माले में एक 'गैराज' में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। इस इमारत की पहली मंजिल पर प्रवासी मजदूर रहते थे। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। जान गंवाने वालों में भारतीय नागरिकों के शामिल होने की भी आशंका है। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, '' माले में आग लगने की घटना के बारे में सुनकर दुखी हैं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई और उनमें कथित तौर पर भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। हम मालदीव के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।'' समाचार मंच 'सनऑनलाइन' के अनुसार, आग देर रात करीब साढ़े 12 बजे मावियो मस्जिद के पास एम. निरूफेफी में लगी। 'गैराज' भूतल पर था और प्रवासी मजदूर पहली मंजिल पर रहते थे। मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल आग एवं बचाव सेवा ने बताया कि इमारत से 28 लोगों को निकाला गया, जबकि नौ लोग अब भी लापता हैं। खबर के अनुसार, सात लोग मृत मिले, जबकि गंभीर रूप से झुलस गए दो लोगों को इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया।

दक्षिण कोरियाई समुद्री इलाके में गिरे उत्तर कोरियाई मिसाइल के टुकड़ों को रक्षा मंत्रालय ने पेश किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे राष्ट्रपति पुतिन

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ संभावित टकराव से बचने के लिए इंडोनेशिया में अगले सप्ताह होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेने वाले हैं। इंडोनेशियाई सरकार के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित कई वैश्विक नेता 15 नवंबर से बाली में शुरू हो रहे दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में शिरकत करने वाले हैं।

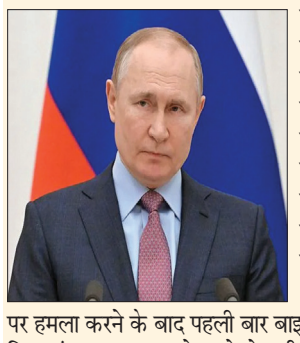

रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद पहली बार बाइडन और पुतिन किसी विश्व मंच पर साथ आने वाले थे। जी-20 के 'चीफ ऑफ सपोर्ट' लुहुत बिनसर पंडजैतन ने इंडोनेशिया के देनपसार में कहा कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले है। उन्होंने कहा, इंडोनेशियाई सरकार रूस के फैसले का सम्मान करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने पहले राष्ट्रपति जोको विडोडो को फोन पर इस फैसले के बाबत जानकारी दी थी।''

इमरान ने बाजवा की करतूतों पर बड़ा खुलासा किया

- बाजवा ने नवाज शरीफ को भिजवाया था जेल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की करतूतों पर बड़ा खुलासा किया है। इमरान खान ने एक साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान के पूर्व नवाज शरीफ को सेना प्रमुख बाजवा ने जेल भिजवाया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई नेताओं को जेल भिजवाने वाली नैब पर सेना का पूरी तरह से कब्जा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख नैशनल अकांउटबिलिटी ब्यूरो की मदद से भ्रष्ट नेताओं को अपने कंट्रोल में रखते हैं। पीटीआई नेता ने यह भी कहा कि यह गलत धारणा है कि आईएसआई के पूर्व चीफ जनरल फैज उनके आदमी हैं। इमरान खान ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सेना चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध कर रही है जिससे चुनाव में धांधली कराना असंभव हो जाएगा। एक साक्षात्कार में इमरान खान ने कहा, मैं जिंदा बचकर राहत महसूस कर रहा हूं। इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना के साथ अपने रोमांस और ब्रेकअप की पूरी कहानी बताई। उन्होंने कहा कि नैब उनके नियंत्रण में नहीं था और उस पर पूरी तरह से सेना का कब्जा था। मैं कुछ नहीं कर सकता था। वे बस मुझसे इतना कहते थे कि हम इस पर काम कर रहे हैं।

इमरान ने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि नैब पर सेना का कब्जा है जिसके जरिए वे भ्रष्टाचार की फाइलें बनाकर नेताओं को कंट्रोल करते थे। पीटीआई नेता ने कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जब सजा नहीं दिला पाई तब मेरा सेना के साथ मतभेद शुरू हुआ। इमरान खान का इशारा नवाज शरीफ समेत अन्य नेताओं पर था जिनके खिलाफ नैब में कई केस चल रहे हैं। इमरान खान ने कहा कि सेना के मतभेद की दूसरी वजह पंजाब के मुख्यमंत्री की पसंद को लेकर था। सेना मुझसे चाहती थी कि अलीम खान को मुख्यमंत्री बनाया जाए और मैंने ऐसा नहीं किया। इसकी वजह यह थी कि अलीम खान के खिलाफ न केवल नैब के मामले थे बल्कि उसने जमीन पर कब्जा किया था और सरकार की करोड़ों रुपये की जमीन को बेच दिया था। उन्होंने कहा कि जब तक आर्मी चीफ बाजवा ने उन्हें अलीम खान को सीएम बनाने के लिए नहीं कहा तब तक दोनों के बीच रिश्ते बढ़िया चल रहे थे। इमरान खान ने खुलासा किया कि अगर सेना प्रमुख ने दो बिग्रेडियर की मदद नहीं दी होती तो नवाज शरीफ को दोषी ठहराना संभव नहीं होता।

हार की तरफ बढ़ रहा रूस? कमांडर ने कहा- टिकना बहुत मुश्किल!

- रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने सैनिकों की वापसी की घोषणा की

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन के युद्ध को नौ महीने से अधिक समय बीत चुका है। अब तक यह लड़ाई यूक्रेन के पक्ष में झुकी हुई प्रतीत हो रही है। रूस ने कहा कि वह यूक्रेनी शहर खेरसॉन और उसके आसपास के कुछ इलाकों से अपनी सेना को वापस बुला रहा है। अब तक की जंग में यह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने सैनिकों की वापसी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में रूस की सेना के कमांडर जनरल सर्गेई सुरोविकिन की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है। मीडिया की खबर के अनुसार खेरसॉन को छोड़ने के बाद रूसी सैनिक शहर से निप्रो नदी के पूर्वी तट की ओर पीछे हटेंगे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सैनिकों की वापसी शुरू हो चुकी है। एक अखबार के अनुसार सुरोविकिन ने कहा कि निप्रो के बाएं तट पर बचाव करना आसान नहीं है। हम अपने सैन्य कर्मियों और अपने बलों की युद्ध क्षमता का बचाएंगे। खेरसॉन इकलौती राजधानी थी जिसे रूस ने यूक्रेन पर हमले के बाद अपने कब्जे में लिया था।

यूक्रेन से सेना की वापसी पुतिन के बड़ा शर्मनाक पल है। यह खेरसॉन ओब्लास्ट में स्थित है, जो उन चार यूक्रेनी क्षेत्रों में से एक है जिन पर रूस ने सितंबर में कब्जा कर लिया था। इस दौरान पुतिन ने खेरसॉन को रूस का हिस्सा घोषित कर दिया था। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने इस प्रक्रिया को अवैध करार देते हुए इसकी निंदा की थी। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने सितंबर के आखिर में कहा था कि इससे यूक्रेन और दुनिया के लिए कुछ नहीं बदलेगा। खेरसॉन उन इलाकों में से था जहां यूक्रेनी सेना रूसी कब्जे वाले क्षेत्र को वापस हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष कर रही थी।

ट्रंप को आगामी राष्ट्रपति चुनाव की दावेदारी को लेकर घोषणा टालने की सलाह

वाशिंगटन (एजेंसी)।

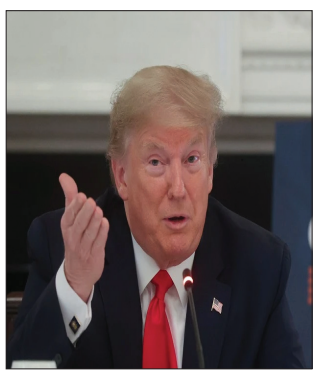

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के आगामी चुनाव के लिए रिपब्लिकन की तरफ से उम्मीदवारी की तैयारी कर रहे हैं और ऐसे में मंगलवार को आए मध्यावधि चुनाव के बाद उनके इस संबंध में फैसले को टालने की मांग उठ रही हैं। रिपब्लिकन पार्टी के लिए मंगलवार रात आए निराशाजनक परिणाम ट्रंप की अपील और पार्टी के भविष्य को लेकर नये सवाल खड़े कर रहे हैं। ट्रंप के कुछ सहयोगी उनकी अगले सप्ताह प्रस्तावित घोषणा को टालने की सलाह दे रहे हैं और कह रहे हैं कि पार्टी का पूरा ध्यान जॉर्जिया पर होना चाहिए जहां ट्रंप समर्थित पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी हरशेल वॉकर का प्रयास डेमोक्रेटिक सीनेटर राफेल वारनॉक को हराने का है। ट्रंप के पूर्व सलाहकार जैसन मिलर ने कहा, ''मैं उन्हें सलाह दूंगा कि वह जॉर्जिया में अंतिम फैसला होने तक अपनी घोषणा को टालें।'' मंगलवार की रात फ्लोरिडा में मारालागो क्लब में पूर्व राष्ट्रपति के साथ डटे रहे मिलर ने कहा, ''इस समय देश में प्रत्येक रिपब्लिकन को जॉर्जिया पर ध्यान देने की जरूरत है।'' ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव में 2020 में व्हाइट हाउस की दौड़ में हारने के बाद अपने राजनीतिक प्रभाव को साबित करने का प्रयास किया है।

युद्ध समाप्ति के लिए जयशंकर का संदेश सुने रूस: अमेरिका

- अमेरिका ने कहा, रूस को भारत से कूटनीति समझनी चाहिए

वाशिंगटन (एजेंसी)।

यूक्रेन संघर्ष के बीच दो दिनों की रूस यात्रा पर गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पर दुनिया की नजरें लगी हुईं थीं और अब अमेरिका के विदेश विभाग की प्रतिक्रिया सामने आ गई है। प्रवक्ता नेड प्राइस ने जयशंकर की तारीफ करते हुए कहा है कि रूस को यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए भारत का संदेश सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि रूस को भारत से कूटनीति समझनी चाहिए। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच मॉस्को में हुई वार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए नेड प्राइस ने कहा कि बीते महीनों में भारत के विदेश मंत्रालय से हमारी कई बार बातचीत हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की एस जयशंकर से मुलाकात भी हो चुकी है। नेड प्राइस ने कहा कि भारत ने फिर यह बात दोहराई है कि वह युद्ध के खिलाफ है। यही सलाह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी दी थी और अब वही बात जयशंकर ने कही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन से समरकंद में कहा था कि यह युद्ध का दौर नहीं है। नेड प्राइस ने कहा कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वह रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का हल बातचीत और कूटनीति के जरिए देखना पसंद करता है। यह समय युद्ध का नहीं है, ऐसे में दोनों देशों को भारत की भूमिका अहमियत समझनी चाहिए। मॉस्को में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत, रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। ऐसे में अमेरिकी प्रवक्ता नेड प्राइस ने इसको लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह मामला रूस और भारत के द्विपक्षीय हितों से जुड़ा हुआ है। हालांकि सामूहिक हितों को देखते हुए भारत को रूस पर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए। रूस न तो ऊर्जा और न ही सुरक्षा उपकरणों की सप्लाई में विश्वसनीय है। अमेरिका ने कहा कि भारत को ऊर्जा की काफी जरूरत है और इसलिए वह रूस से ईंधन खरीद रहा है। इसमें प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह समय रूस के साथ कारोबार करने का नहीं है और जो भी उस पर निर्भर हैं उन देशों को रूस से अपने व्यापार को कम कर लेना चाहिए।

अमीर देशों ने की कोरोना वैक्सीन की जमाखोरी, इससे करीब 13 लाख लोगों की हुई अकाल मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

दुनिया कितनी मतलबी और स्वार्थी है, इसका अंदाजा इसी बात से लग सकता हैं, कि कोरोना काल में पूरी दुनिया में 10 लाख से अधिक लोगों की मौत केवल वैक्सीन की जमाखोरी की वजह से हुई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना के दौरान अधिक से अधिक वैक्सीन अपने पास रखने की देशों के लालच की वजह से करीब 13 लाख लोगों की अनावश्यक मौत हुई है, जबकि अमीर देशों ने बाद में बचे हुए वैक्सीन को बर्बाद ही किया या फिर वे एक्स्पायर हुए। रिपोर्ट में कहा गया है, अगर अमीर देश वैक्सीन की दूसरे देशों के साथ शेयरिंग पर ध्यान देते तब इन मौतों का आंकड़ा कम हो सकता था और कोरोना के नए वैरिएंट भी नहीं पनपते।

नए शोध में इसका दावा किया गया है कि कोरोना वैक्सीन के मामले में कुछ देशों ने इंसान की जिंदगी से अधिक अपने फायदे को तवज्जो दी, जिसका नतीजा यह हुआ कि पूरी दुनिया में 1.3 मिलियन (करीब13 लाख) लोग अनावश्यक रूप से काल की गाल में समा गए, वहीं 300 मिलियन यानी 30 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हुए। शोध में दावा किया गया है कि अमीर देशों ने कोरोना वैक्सीन की जमाखोरी की, इतना ही नहीं, उस बर्बाद होने और पूरी दुनिया में कोरोना का तांडव मचने दिया और इस तरह रोकी जाने वाली मौतों को होने दिया। इतना ही नहीं, कोरोना काल को लंबा करने और उसके सब वैरिएंट के फैलने में भी अपने फायदे के लिए अमीर देशों का योगदान है।

152 विभिन्न देशों के गणितीय मॉडल का उपयोग कर महामारी की शुरुआत से 2021 के अंत तक कोरोना वैक्सीन वितरण में अंतर को रेखांकित किया है। एक्सपर्ट टीम ने अपने शोध में पाया कि वैक्सीन के वितरण में काफी भिन्नता थी। कुछ देशों के 90 फीसदी से अधिक वयस्कों ने वैक्सीन ले लिया था, जबकि कुछ देश में महज 0.9 फीसदी लोगों को ही टीका लग पाया था। शोध में कहा गया है कि कोरोना वैक्सीन के वितरण में जरूरत से अधिक धन को तरजीह दी गई। शोध में यह स्पष्ट तौर पर पाया कि भविष्य में आवश्यकता के बजाय धन के अनुपात में वैक्सीन का वितरण सभी के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस तरह के वितरण के न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी गंभीर परिणाम पड़ते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार, दुनिया भर में अनुमानित लगभग 630 मिलियन कोरोना संक्रमण के केस

आए हैं और 6.5 मिलियन से अधिक मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ की मानें तब करीब 12.8 बिलियन वैक्सीन खुराक लोगों को लगाई गई हैं, लेकिन यह कोरोना को बढ़ने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। पूरी दुनिया में कोरोना काल में वैक्सीन के लिए हाहाकार मचा था। ज्यादातर गरीब देशों में समय पर वैक्सीन इसलिए नहीं पहुंची, क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई देश वैक्सीन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं थे। इतना ही नहीं, वैक्सीन प्राप्त करने की राह में बौद्धिक संपदा कानून और पेटेंट भी एक बड़ी बाधा थी, जिसकी वजह से बहुत से गरीब देशों में वैक्सीन के अभाव में लोग कोरोना से मरते गए और इससे संक्रमित होते चले गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महाराष्ट्र- फोन हैक कर बैंक खातों से निकाले 99.50 लाख रूपये

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में एक व्यापारी का मोबाइल कथित रूप से हैक कर उसके बैंक खातों से 99.50 लाख रुपये निकाल लिए। वागले एस्टेट थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह कथित घटना 6-7 नवंबर के बीच हुई तथा नेट बैंकिंग के मार्फत उसके बैंक खातों से उक्त रकम अन्य खातों में अंतरित कर ली गयी। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता एवं सूचना प्रौद्योगिकी कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है तथा आरोपी की धरपकड़ की कोशिश चल रही है।

मुंबई में फिर आंतकी हमले का अलर्ट, ड्रोन और छोटे एयरप्लेन से कर सकते हैं हमला

मुंबई । मुंबई में फिर से आतंकी हमले का खतरा मंडराने लगा है। मुंबई में आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी हुआ है, जिसमें कहा गया है कि ये आतंकी ड्रोन और छोटे एयरप्लेन से मुंबई में आतंकी हमले को अंजाम दे सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हो गई हैं और बहुत सारी गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी गई है। मुंबई में रिमोट कंट्रोल एयरक्राफ्ट से भी हमले का अलर्ट है। इतना ही नहीं, मुंबई में केवल प्रमुख जगह ही आतंकियों के टारगेट पर नहीं हैं, बल्कि कहा जा रहा है कि आतंकवादी वीवीआईपी को भी निशाना बना सकते हैं। फिलहाल, मुंबई में ड्रोन के उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है। मुंबई पुलिस द्वारा जारी आदेश में साफ कहा गया है कि अगर कोई भी इन नियमों का उल्लंघन करता है तब उस आईपीसी की धारा 188 के तहत सजा मिलेगी। ग्रेटर मुंबई पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी आदेश में कहा गया है, कि आतंकवादी और राष्ट्र विरोधी तत्व ड्रोन, रिमोट कंट्रोल्ड माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, पाराग्राइडर्स का इस्तेमाल कर हमला कर सकते हैं और वीवीआईपी को भी टारगेट कर सकते हैं। इस कारण प्राइवेट हेलीकॉप्टर्स से लेकर हॉट एयर बैलून सहित इन सभी चीजों के इस्तेमाल पर अगले 30 दिनों तक पाबंदी लगा दी गई है। इस दौरान केवल मुंबई पुलिस ही एरियल सर्विलांस कर सकती है। यह आदेश 13 नवंबर से 12 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा।

भगौड़े कारोबारी नीरव के पास कई विकल्प, भारत आने में लग सकता हैं वक्त

नई दिल्ली। भगौड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी ब्रिटेन की एक अदालत में भारत के खिलाफ बड़ी कानूनी लड़ाई हार गया। नीरव ने भारत में अपने प्रत्यर्पण को रोकने की कोशिश कर लंदन की अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने उसके केस को खारिज कर दिया। लंदन उच्च न्यायालय ने नीरव मोदी की मानसिक सेहत के आधार पर प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को खारिज कर दी। न्यायालय ने व्यवस्था दी कि नीरव के आत्महत्या करने का जोखिम ऐसा नहीं है कि उसे धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों का सामना करने के लिए भारत प्रत्यर्पित करना अनुचित और दमनकारी होगा। अदालत में अपील हारने के बाद नीरव मोदी के भारत में प्रत्यर्पण का रास्ता लगभग साफ हो गया है। फैसले में माना गया है कि मुंबई की जिस आर्थर रोड जेल की बैरक 12 में प्रत्यर्पण के बाद हीरा कारोबारी को रखा जाना है उसमें सुरक्षा उपाय किए गए हैं। हालांकि इस जेल की बैरक नंबर 12 को नीरव मोदी के आने का थोड़ा इंतजार करना होगा। फिलहाल वह अभी लंदन की वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। लंदन कोर्ट से झटका मिलने के बाद नीरव मोदी 14 दिनों के भीतर यूके के सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर सकता है। हालांकि इसके लिए उस उच्च न्यायालय की सहमत चाहिए होगी। अगर उच्च न्यायालय को लगेगा कि नीरव मोदी के मामले में आम सार्वजनिक महत्व का कानून शामिल है, तब वह नीरव को सुप्रीम कोर्ट जाने की इजाजत दे सकता है। इसके अलावा उसके पास एक और विकल्प मौजूद है। नीरव मानवाधिकार के यूरोपीय न्यायालय से संपर्क करने का विकल्प भी चुन सकता है। अंतत- ब्रिटेन की अदालतों में सारे विकल्पों के समाप्त होने के बाद नीरव अब भी ईसीएचआर के तथाकथित नियम 39 के तहत आदेश की मांग कर सकता है। इस तरह नीरव को भारत वापस लाने की प्रक्रिया में अभी थोड़ा समय लग सकता है। नीरव मोदी के वकीलों ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील की किसी तरह की योजना पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है।

ज्ञानवापी काशी विश्वनाथ मामले में आज होगा पीठ का गठन, सीजेआई ने कहा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ज्ञानवापी काशी विश्वनाथ मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार को पीठ का गठन करेगा। दरअसल हिन्दू पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर में बंद तहखानों का ताला खुलवाकर सर्वे कराने की मांग की है। हिन्दु पक्ष का दावा है कि वहां 'शिवलिंग' मिला है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के प्रतिवेदन पर गुरुवार को गौर कर कहा कि मामले में दिया संरक्षण का आदेश 12 नवंबर को समाप्त हो रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम आज (शुक्रवार को) दोपहर तीन बजे एक पीठ का गठन करने वाले हैं। शीर्ष अदालत ने 17 मई को एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के अंदर के क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था, जहां कथित 'शिवलिंग' मिला हैं। वहीं मुसलमानों को नमाज अदा करने की अनुमति दी थी।

बिहार में कर्ज के बोझ से दबे एक परिवार ने खाया जहर, पांच की मौत

- एक की हालत गंभीर, डॉक्टरों ने पावापुरी विंस से पटना रेफर किया

नवादा । बिहार में नवादा नगर थाना क्षेत्र के न्यू एरिया मोहल्ला निवासी केदार लाल गुप्ता ने बुधवार की देर रात पत्नी और 4 बच्चे समेत जहर खा लिया। परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसे डॉक्टरों ने पावापुरी विंस रेफर कर दिया था, लेकिन वहां से वापस उसे पटना रेफर कर दिया गया है। मरने वालों में से घर के मुखिया केदार लाल गुप्ता, पत्नी अनिता कुमारी और तीन बच्चे प्रिंस कुमार, शबनम कुमारी और गुड़िया कुमारी शामिल हैं। जबकि एक बेटी साक्षी की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे पहले पावापुरी विंस रेफर किया गया था, लेकिन फिर नवादा जिला अस्पताल भेज दिया गया है। वहां भी हालत गंभीर देखते हुए साक्षी को अब पटना रेफर किया गया है। केदार लाल गुप्ता शहर के विजय बाजार में फल दुकान चलाते थे और उन पर काफी कर्ज था। कर्ज को लेकर उन्हें काफी प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे तंग आकर शहर की एक मजार के पास जाकर सभी ने जहर खा लिया। मौके पर ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई, जबकि एक लड़की की हालत गंभीर थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहर खाने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई थी। इस दौरान परिवार के मुखिया केदार लाल गुप्ता की हालत थोड़ी सही थी। उनसे जब पूछा गया कि जहर क्यों खाया? तो केदार लाल गुप्ता ने कहा कि परिवार पर 10-12 लाख रुपए का कर्ज था, परिवार ने राजी खुशी होकर जहर खा लिया। इसके बाद केदार लाल गुप्ता को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई. जहर खाने से पहले केदार लाल गुप्ता के बेटे प्रिंस ने एक वीडियो भी बनाया था। इस वीडियो में वह कहता है, बाजार से कुछ लोगों से कर्ज लिया था और वह हम लोगों को काफी प्रताड़ित कर रहे थे, हम लोगों ने पैसा वापस करने को लेकर थोड़ा समय मांगा, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं थे और बार-बार धमकी दे रहे थे, जिसको लेकर सबने जहर खा लिया। वहीं साक्षी ने बताया कि पापा डिप्रेशन में चल रहे थे, उन्होंने कर्ज ले लिया था, हमें नहीं पता था। कर्ज किससे लिया? इस सवाल के जवाब में साक्षी ने किसी मनीष भइया का नाम लिया। खैर पुलिस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं और जांच करने की बात कह रही है।

दिल्ली, यूपी, राजस्थान समेत कई राज्यों में हो सकती है बारिश, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में राजधानी दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में फिर से मौसम बदलने जा रहा है। मौसम विभाग की ओर से कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली, यूपी, राजस्थान समेत कई राज्यों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से दक्षिण के राज्यों के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। अनेक स्थानों पर गुरुवार से ही मौसम में बदलाव आएगा और इससे ठंड बढ़ सकती है। पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखना शुरू हो गया है जिससे कई राज्यों में मौसम बदल गया। बारिश के साथ गुलाबी ठंड शुरू होगी, लेकिन तापमान खास गिरावट नवंबर महीने में नहीं देखने को मिलेगी।

यूपी में कोहरे का असर दिखना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी यूपी में गरज के साथ गुरुवार और शुक्रवार को हल्की बारिश होने का अनुमान है। लखनऊ समेत दूसरे कई शहरों में कोहरे की चादर देखने को मिल सकती है। बिहार में सुबह और शाम वाली ठंड की शुरुआत होगी। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी 15 नवंबर के बाद तापमान में और कमी आएगी।

सूचना युद्ध कौशल में राजनीतिक स्थिरता को खतरा पहुंचाने की क्षमता: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ऐसी विश्व व्यवस्था में यकीन नहीं रखता है, जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा वास्तव में सामूहिक उद्यम बन जाती है, तब सभी के लिए फायदेमंद वैश्विक व्यवस्था बनाने की संभावना तलाशी जा सकती है। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में सिंह ने साइबर युद्ध कौशल को लेकर आगाह कर कहा कि इससे अहम बुनियादी ढांचों की भेद्यता बढ़ गई है।

सिंह ने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं, कि हमारी सामरिक नीति का आचरण नैतिक होना चाहिए। भारत ऐसी व्यवस्था में यकीन नहीं रखता है जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा, भारत के कृत्य मानवीय समानता और प्रतिष्ठा के मूल सार द्वारा निर्देशित हैं जो हमारे प्राचीन मूल्यों तथा उसके मजबूत नैतिक आधार का हिस्सा है और हमें राजनीतिक शक्ति देते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर सुरक्षा वाकई सामूहिक उद्यम बन जाती है, तब हम ऐसी वैश्विक व्यवस्था बनाने के बारे में सोच सकते हैं जो हम सभी के लिए फायदेमंद हो। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन और वितरण जैसे अहम ढांचे तेजी से अधिक जटिल बन रहे हैं तथा ऐसी चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र साइबर हमलों के मुख्य निशानों में से एक है, लेकिन यह इकलौता नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवहन, सार्वजनिक क्षेत्र की सेवाएं, दूरसंचार तथा अहम विनिर्माण उद्योग भी कमजोर हैं।

उन्होंने कहा, हमें संकीर्ण स्वार्थों के अनुसार नहीं चलना चाहिए, जो दीर्घकाल में फायदेमंद नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा कि दूसरों को नुकसान पहुंचाकर मजबूत तथा समृद्ध भारत नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'इसके बजाय भारत दूसरे राष्ट्रों को अपनी क्षमता का अहसास कराने में मदद करता है। उन्होंने कहा, हमारी एक-दूसरे से जुड़ी वित्तीय प्रणालियां भी खतरे में हैं। आप सभी को पता होना चाहिए कि फरवरी 2016 में हैकरों ने बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक को निशाना बनाया और एक अरब डॉलर चुराने की कोशिश की थी। हालांकि, ज्यादातर लेनदेन रोक दिए गए लेकिन 10.1 करोड़ डॉलर अब भी गायब हैं।''

सिंह ने कहा, यह वित्तीय दुनिया के लिए खतरे की घंटी है, कि वित्तीय प्रणाली में साइबर जोखिमों को बहुत कम आंका गया है। अगर आज यह सवाल नहीं है कि प्रमुख साइबर हमला वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा नहीं है, तब फिर कब यह सवाल बनेगा।''सिंह ने बताया कि सूचना युद्ध कौशल में राजनीतिक स्थिरता को खतरा पहुंचाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''इसका कोई हिसाब नहीं है कि सोशल मीडिया मंचों के जरिए समाज में फर्जी खबरें तथा घृणा फैलाने वाली कितनी सामग्री लाए जाने की आशंका है।

पूर्वोत्तर में रेल नेटवर्क को मजबूत करने में लगा भारत, चीनी सीमा तक बिछाई जाएंगी पटरियां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए, भारतीय रेलवे ने पड़ोसी देश भूटान को जोड़ने के अलावा अरुणाचल प्रदेश, सभी राज्यों की राजधानियों में चीन की सीमा तक रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना बनाई है। भारतीय रेलवे चीन की सीमा पर भालुकपोंग से तवांग और सिलपाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक रेलवे लाइनों का निर्माण करेगी, जो एक बार तैयार होने के बाद सामरिक महत्व की होगी क्योंकि यह कम से कम समय में सीमावर्ती क्षेत्रों को जोड़ेगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, अंतिम स्थान सर्वेक्षण अरुणाचल प्रदेश में इन नई रेलवे परियोजनाओं में से एक पूरे जोरों पर है।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सब्यसाची डे ने एएनआई को बताया कि एनएफ रेलवे ने अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुछ और नई रेलवे परियोजनाओं के निर्माण की योजना बनाई है। सब्यसाची डे ने कहा, 'हमने भालुकपोंग से तवांग, सिलापाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना बनाई है।

सब्यसाची डे ने कहा, हमने भालुकपोंग से तवांग, सिलापाथर से अलॉन्ग वाया बामे तक एक नई रेलवे लाइन बनाने और मुरकोंगसेलेक से पासीघाट तक रेलवे लाइन का विस्तार करने की योजना बनाई है। डे ने आगे कहा कि इनके अलावा, वह लंका से असम में चंद्रनाथपुर तक दूसरी रेलवे लाइन बनाने की योजना बना रहा है जो असम के दीमा हसाओ जिले के पहाड़ी खंड में बाईपास होगा।

चुनाव के मद्देनजर दो बड़ी परियोजनाएं महाराष्ट्र की जगह गुजरात को दे दी : राहुल गांधी

नांदेड़ (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर नोटबंदी करके आर्थिक सुनामी लाने का आरोप लगाया। 'भारत जोड़ो यात्रा के 63वें दिन नांदेड़ जिले में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टाटा-एयरबस सैन्य विमान परियोजना और वेदांता-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र जैसी परियोजनाओं को महाराष्ट्र से छीनकर चुनाव के मद्देनजर पड़ोसी राज्य गुजरात को दे दिया गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ये परियोजनाएं दो-तीन उद्योगपतियों को दी जाएगी जो प्रधानमंत्री के दोस्त हैं, और देश की संपत्ति उनके हाथों में जमा हो रही है। बंदरगाह, बुनियादी ढांचा, दूरसंचार, कृषि क्षेत्र इन लोगों को दे दिए गए हैं। दिन के दौरान स्थानीय लोगों के साथ अपनी मुलाकातों का जिक्र कर राहुल ने कहा कि एक युवा लड़के ने उन्हें देश में व्यावहारिक शिक्षा की कमी के बारे में बताया, जिसके कारण नौकरी के अवसर नहीं हैं, जबकि एक छोटी लड़की ने उनसे कहा कि उसके माता-पिता उससे ज्यादा उसके भाई को प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा, लैंगिक भेदभाव अच्छा नहीं है, और जो देश महिलाओं का सम्मान नहीं करता, वह प्रगति नहीं करता। युवा लड़का जो समझता है, वह शिक्षा मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाह नहीं समझ पाते। कांग्रेस नेता ने दावा किया, संसद में, यदि आप चीन, नोटबंदी जैसे मुद्दे उठाते हैं, तब आपका माइक बंद हो जाता है। राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना का जिक्र कर कहा कि देश के युवा देश की सेवा के लिए सेना में भर्ती होना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार ने उन्हें देश की सेवा करने के लिए चार साल दिए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है, लेकिन प्रधानमंत्री इससे इनकार करते हैं। तब फिर दोनों सेनाओं के बीच बातचीत क्यों हो रही है। इससे पहले, दोपहर में गांधी ने विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि नोटबंदी न केवल एक गलती बल्कि सत्ता और पैसा कुछ लोगों की जेब में रखने की भाजपा की रणनीति का भी हिस्सा थी।

वायु प्रदूषण को लेकर दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण रोकने के लिए पराली जलाने के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली तथा न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील शशांक शेखर झा से पूछा कि क्या केवल पराली जलाने पर रोक लगाने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण होगा। सीजेआई ने झा से कहा, दिल्ली के प्रदूषण के लिए आपकी ओर से समाधान क्या है। पराली जलाने से प्रदूषण होने की बात पर पीठ ने कहा, तब हम इस पर प्रतिबंध लगा दें? क्या इससे रुक जाएगा? क्या हम इस हर किसान पर लागू करें? कुछ उचित समाधान सोचिए। कुछ चीजें हैं जिनमें अदालतें कुछ कर सकती हैं और कुछ चीजों में अदालतें नहीं कर सकतीं। हम न्यायिक पहलुओं को देखने के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने आपकी सारी बात सुनी है और इस अभी नहीं लिया जाएगा।''जनहित याचिका में स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी तथा निजी दफ्तरों में ऑनलाइन कामकाज का निर्देश देने का अनुरोध भी किया गया था। वकील ने आरोप लगाया कि हर साल प्रदूषण की समस्या आती है और दिल्ली-एनसीआर में धुएं और धुंध के कारण जीवन को गंभीर खतरा है।

जेल से बाहर आकर बदले राऊत के सुर, कहा पीएम और गृहमंत्री से मिलने जाऊंगा

मुंबई (एजेंसी)।

पीएमएलए कोर्ट से जमानत मिलने के बाद शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत को कल जेल से रिहा किया गया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के 102 दिन बाद राउत को रिहा किया गया था। संजय राउत के जेल से बाहर आते ही शिवसैनिकों ने उनका स्वागत किया। राउत इसके बाद सिद्धिविनायक मंदिर गए और बाद में शिवाजी पार्क में शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे का अभिवादन किया। उसके बाद गुरुवार को दूसरे दिन जानकारी सामने आई है, कि वह राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मिलने सिल्वर ओक स्थित आवास पर जाएंगे।

राउत ने कहा कि जिन लोगों ने ये साजिश रची थी, अगर उन्हें आनंद मिला होगा तो मैं इसमें उनका सहभागी हूं। मेरे मन में किसी के लिए कोई शिकायत नहीं है। मैं पूरी व्यवस्था को या फिर किसी केंद्रीय एजेंसी को दोष नहीं दूंगा। महाराष्ट्र में नई सरकार बनी है। सरकार ने कुछ निर्णय अच्छे लिए हैं, मैं उनका स्वागत करूंगा। मैं आज उद्धव ठाकरे और शरद पवार से मिलूंगा। कुछ दिनों में राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करूंगा। मैं दिल्ली में जाकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से भी मिलूंगा।

राउत और शरद पवार के बीच राजनीतिक नजदीकियां जगजाहिर हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद, शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ दिया और कांग्रेस-राष्ट्रवादियों के साथ महा विकास अघाड़ी का गठन किया। राज्य में इस ऐतिहासिक प्रयोग के सूत्रधार पवार और राउत थे।

प्रियंका का मोदी पर पलटवार: सब जानते हैं किसने स्थिर सरकारें दीं, किसने विधायक खरीदकर सरकारें गिराईं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से पलटवार करते हुए कहा कि सबको पता है कि आजादी के बाद किसने स्थिर सरकारें दीं और किसने ''विधायक खरीदकर'' सरकारें गिराई हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन अपनी आखिरी चुनावी सभा में लोगों का आह्वान किया कि सोच-समझकर वोट करें और किसी की बातों से गुमराह नहीं हों। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री का नाम लिए बगैर कहा, ''भाजपा के बड़े नेताओं ने कहा कि कांग्रेस आपको स्थिर सरकार नहीं दे सकती। आजादी के बाद स्थिर सरकारें किसने दीं और किसने अस्थिरता फैलाई? पैसे से विधायकों को खरीदकर सरकारों को गिराने वाले कौन हैं?''

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को राज्य में एक चुनावी सभा में कहा था कि कांग्रेस स्थिर सरकार नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस यदि राज्य में सरकार बनाती है तो केवल विकास को बाधित ही करेगी। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री के एक और बयान का हवाला देते हुए कहा, ''आपसे कहा जाता है कि दवाई बदलेंगे तो मरीज ठीक नहीं होगा। ऐसे लगता है कि हिमाचल प्रदेश बीमार है। यह सब फिजूल की बाते हैं। आप सब जानते हैं।'' उनका कहना था, ''इस मंच से आपसे कोई भी कुछ भी कह सकता है। आज की राजनीति में देख रहे हैं कि पैसे और झूठ का बोलबोला है। नेता कुछ भी वादा करते हैं। पांच साल बाद आपको पता चलता है कि कुछ नहीं हुआ है।''

प्रियंका ने कहा, ''मैं आपसे यह आग्रह करना चाहती हूं कि आप अपनी परिस्थितियों और अपने अनुभव के आधार पर वोट करिये।'' उन्होंने कहा, ''आज हिमाचल प्रदेश पर 70 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। आज 15 लाख नौजवान बेरोजगार हैं। आज हिमाचल प्रदेश में 63 हजार पद खाली पड़े हैं। लेकिन भाजपा सरकार ने नौकरी नहीं दी।'' उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने पर मंत्रिमंडल की पहली बैठक में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने का फैसला होगा।

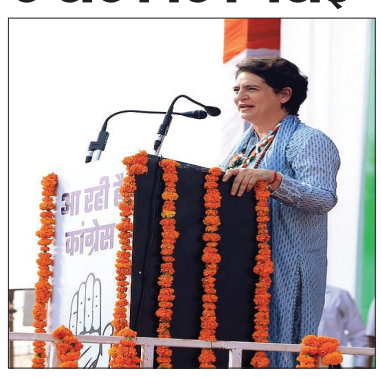

प्रियंका गांधी ने कहा, ''राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ओपीएस लागू है। भाजपा के लोग कहते हैं कि ओपीएस के लिए पैसे कहां से आएंगे। उनसे मैं पूछना चाहती हूं कि उद्योगपति मित्रों के कर्ज माफ करने के लिए पैसे कहां से आते हैं? '' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीयत ठीक नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा, ''मेरी दादी (इंदिरा गांधी) का आपके साथ रिश्ता है। मैं उस रिश्ते को निभा रही हूं। मैं भी यहीं की निवासी हूं। मेरे परिवार ने इस देश के लिए जान दी है। हिमाचल प्रदेश के लाखों लोगों ने भी इस देश के लिए कुर्बानी दी है।

भारत में पिछले नौ माह में 948 बार भूकंप के झटके महसूस हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में जनवरी से सितंबर तक बीते 9 माह में 948 बार भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। क्या ये किसी बड़े खतरे की चेतावनी है? भूकंप की तीव्रता जब 4 से कम होती है, तब आमतौर पर वे महसूस नहीं होते हैं। भारत में पिछले 9 माह में 240 इसतरह के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जो 4 तीव्रता से ज्यादा वाले थे। बीती रात को नेपाल में आए भूकंप के झटको की तीव्रता भी 4 से अधिक थी। नेपाल में इससे पहले 2015 में आए विनाशकारी भूकंप में 10 हजार से ज?यादा लोगों की मौत हो गई थी।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, मौजूद डेटा के मुताबिक, इस साल 152 स्टेशनों से 1090 बार भूकंप आने की जानकारी मिली। हालांकि, इसमें सिर्फ 948 बार इसतरह के भूकंप दर्ज हुए जो भारत और उसके आसपास देशों आए। बता दें कि एनसीएस के पास मौजूद ये डेटा इस साल जनवरी से सितंबर तक का ही है।

ऐसा अनुमान है कि भारत में इस साल अब तक आए भूकंप की संख्या 1000 के पार पहुंच गई होगी। जनवरी से सितंबर तक 948 भूकंप यानि हर महीने करीब 105 से ज्यादा भूकंप के झटके। क्या ये खतरे की घंटी है? जानकार मानते हैं कि कम तीव्रता के भूकंप से कोई खास खतरा नहीं होता है। हां, भूकंप की तीव्रता अगर ज?यादा है, तब चिंता की बात होती है। तब हमें एक अलार्म सिस्टम बनाने की जरूरत है। इससे लोगों को भूकंप आने से कुछ मिनट पहले ही जानकारी मिल जाएगी।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भारत में आमतौर पर ज्यादा तीव्रता के भूकंप कम ही आते हैं। देश में इस साल महसूस किए गए सबसे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप की बात करें, तब इनमें एक बीती रात नेपाल में आया 6.3 तीव्रता का भूकंप है। वहीं, दूसरा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से 431 किलोमीटर दूर उत्तरी सुमात्रा में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप था। इस भूकंप के झटकों को भारत में सबसे ज्यादा दक्षिण के राज्यों में महसूस किया गया। इसके अलावा भारत 5 से 5.9 तीव्रता के 14 भूकंप और 4 से लेकर 4.9 तक के 224 भूकंप आए।

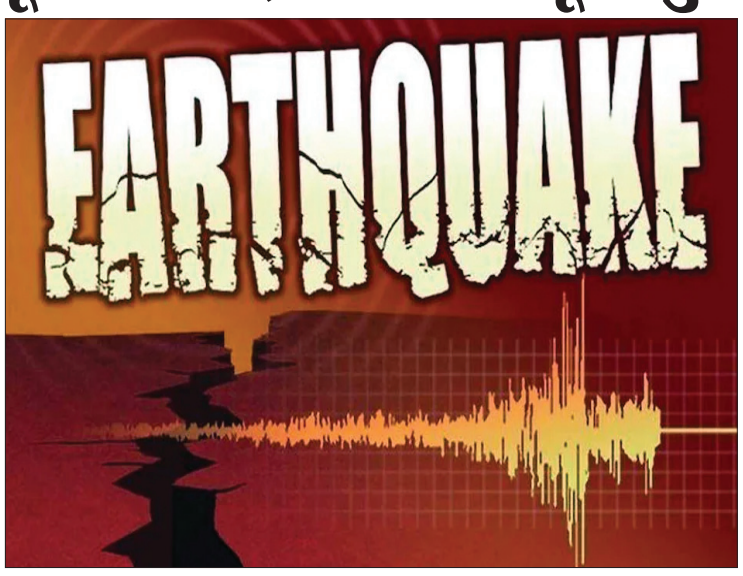

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

गाजियाबाद में बच्चे को देखते ही टूट पड़े आवारा कुत्ते

संवाददाता

गाजियाबाद। ग्रेटर नोएडा की यूनीटेक होराइजन सोसाइटी में पालतू कुत्ते ने सिक्योरिटी गार्ड पर पर हमला कर दिया। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया। मामले का वीडियो समाने आया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि सुरक्षाकर्मी अपनी सीट पर बैठा हुआ था। अचानक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। बचाव के लिए सुरक्षाकर्मी ने डंडा दिखाया, लेकिन इसके बाद भी कुत्ते ने हाथ चबा लिया। घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। वहीं, गाजियाबाद में अवारा कुत्तों ने बच्चे को देखते ही उस पर हमला कर दिया। वो गंभीर रूप से घायल है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उधर, कुत्तों से परेशान क्रॉसिंग रिपब्लिक एरिया की पंचशील वेलिंग्टन सोसाइटी के सैकड़ों रेजिडेंट्स बुधवार शाम 4 बजे से प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इस प्रोटेस्ट को करीब 20 घंटे हो चुके हैं। सोसाइटी के लोग डॉग्स के अटैक से परेशान हैं। उनकी मांग है कि हर हाल में इस समस्या से हमें निजात चाहिए। दरअसल, पाई 2 सेक्टर की यूनीटेक होराइजन सोसाइटी रहने वाली महिला अपने पालतू कुत्ते को घुमाने निकली थी। तभी उसने सिक्योरिटी गार्ड पर हमला बोला। उसकी मालकिन ने तुरंत कुत्ते के पट्टे को अपनी ओर खींचा। यही नहीं सुरक्षाकर्मी से डंडा लेकर उसे भगाया भी। बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मी के हाथ में कुत्ते ने बुरी तरह काट लिया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि इस घटना का संज्ञान पुलिस ने वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लिया है। अभी तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है। मांग है कि स्ट्रीट डॉग्स से उन्हें निजात दिलाई जाए। सोसाइटी में रहने वाले पेट लवर्स

पर कठोर एक्शन लिया जाए। वो पूछ रहे हैं कि क्या सोसाइटी भी सुरक्षित नहीं रहेंगी। प्रदर्शनकारियों ने कल रात सोसाइटी के बाहर की रोड जाम की थी। अब वे क्रॉसिंग रिपब्लिक के मुख्य रोड पर आ गए हैं और बीचोंबीच खड़े होकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। उनकी मांग है कि जिला प्रशासन या नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आकर इस समस्या का निदान करें। सोसाइटी के टॉवर-1 में पांचवें फ्लोर पर अभिषेक परिवार सहित रहते हैं। उनकी पत्नी अपने बेटे अथर्व के साथ मंगलवार रात कंपाउंड में घूम रही थीं। इस दौरान वो गलती से लिफ्ट में चला गया और लिफ्ट बेसमेंट में पहुंच गई। गेट पर ही कई आवारा कुत्ते खड़े थे। उन्होंने अथर्व पर हमला बोल दिया। चीख पुकार सुनकर कार पार्क करने आए कई रेजिडेंट्स वहां पहुंचे और बच्चे को छुड़ाया। दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में बच्चे का इलाज चल रहा है। बच्चे की हालत गंभीर बताई गई है। इसी घटना के तुरंत बाद आवारा कुत्तों ने कीर्ति मिश्रा नामक महिला पर

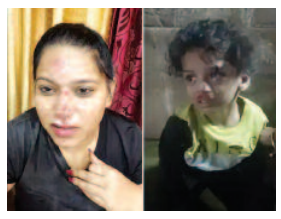

हमला करके उन्हें भी चोटिल कर दिया। आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के खिलाफ सोसाइटी के रेजिडेंट्स मंगलवार शाम 4 बजे आंदोलन पर उतर आए। उन्होंने सोसाइटी के बाहर से निकल रही रोड जाम कर दी और धरने पर बैठ गए। लोगों ने कहा कि जब तक आवारा कुत्तों के खिलाफ प्रशासन संज्ञान नहीं लेगा, तब तक हम यहीं खड़े रहेंगे। रेजिडेंट्स में इस बात को लेकर भी नाराजगी थी कि यदि कुछ लोग स्ट्रीट डॉग का विरोध करते हैं तो पेट लवर्स उनके पक्ष में आ जाते हैं और पुलिस में शिकायत तक दर्ज करा देते हैं। इसलिए रेजिडेंट्स की मांग थी कि पेट लवर्स पर भी एक्शन हो। कई घंटे प्रदर्शन के बाद रेजिडेंट्स नजदीकि पुलिस चौकी पर पहुंचे। यहां उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला और नगर निगम चले जाने की बात कही। इसके बाद रेजिडेंट्स पुनः सोसाइटी के बाहर लौट आए और प्रदर्शन करने लगे। रात में सीओ ने कई बार प्रदर्शनकारियों से बातचीत की, लेकिन हल नहीं निकला। प्रोटेस्ट शांत नहीं होने पर पुलिस भी वापस चली गई और प्रदर्शनकारी यूं ही नारेबाजी करते रहे। गुरुवार सुबह 10 बजे ये लोग सोसाइटी से बाहर निकलकर क्रॉसिंग रिपब्लिक की मुख्य रोड पर आ गए हैं। अब सांसद जनरल वीके सिंह, महापौर आशा शर्मा के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। रेजिडेंट्स का कहना है कि डॉग्स अटैक मामले में उनकी एफआईआर दर्ज की जाए और सोसाइटी से आवारा कुत्तों को बाहर किया जाए।

संक्षिप्त

स्वर्गीय सतीश गोयल की पुण्यतिथि पर वृद्ध आश्रम में बाटा दैनिक उपयोगी सामान

संवाददाता

गाजियाबाद । वरिष्ठ समाजसेवी एवं मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज के पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय सतीश गोयल कवि नगर निवासी की चौथी पुण्यतिथि पर दुहाई स्थित वृद्धाश्रम में गोयल परिवार द्वारा वहां पर रहने वालों के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुएं बाटी गई जिनमें बिस्कुट मिठाई रेवड़ी तेल साबुन कंघा बोरोलिन साबुन बिस्कुट शैंपू आदि दैनिक उपयोग में आने वाला सामान था यह सामान पाकर ज्यादा वृद्ध आश्रम में रहने वाले लगभग 80 बहुत खुश हुए उन्होंने कहा कि यह सामान उनको यहां पर अति आवश्यक था सभी निवासियों ने सतीश गोयल जी के पुत्र पीयूष गोयल को आशीर्वाद दिया साथ हीजाड़े का मौसम आने पर के आगमन पर सभी वृद्धाश्रम के निवासियों को जूते भी वितरित किए गए स्वर्गीय सतीश गोयल जी की का निधन आज से ठीक 4 वर्ष पूर्व अचानक हृदयआघात कारण हो गया था उनके निधन से गाजियाबाद के सामाजिक व वैश्य वर्ग के क्षेत्र में जो क्षति हुई है उसकी पूर्ति आज तक नहीं हो पाई है अवसर पर परमार्थ सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन वीके अग्रवाल, पारिवारिक एसएन अग्रवाल प्रभु दयाल तायल आरके जैनभी मौजूद थे

बगैर अनुमति उठाई ठेकेदार ने खेतों से मिट्टी, खेत बन गए खाई

संवाददाता

उरई (जालौन)। पहाड़गांव से भेंपता जाने वाली करीब पांच किलोमीटर लंबी सड़क में ठेकेदार ने रातों रात खेत में पड़ी मिट्टी उठा ली। सुबह जब किसान खेतों पर पहुंचे तो उनके खाते बड़ी खाई जैसे नजर आए। खेतों में पानी भरा हुआ था। किसानों ने जब इसका विरोध किया तो ठेकेदार के गुर्गों ने धमकाया। भयभीत किसानों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर जांच की मांग की है। पहाड़गांव के पास खेतों से होकर भेंपता की ओर सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस समय खेतों में बारिश का पानी भरा हुआ है। खेतों में बुवाई नहीं हो पाई है। इसी बीच ठेकेदार ने रातों रात खेतों की मिट्टी उठवाकर सड़क पर डाल दी है। जिसकी वजह से खेतों में पानी भर गया है और उनकी फसल की बुवाई और लेट हो गई है। किसानों का कहना है कि सुबह जब उन्होंने देखा तो पता चला कि उनकी बगैर सहमति के उनके खेतों की मिट्टी उठा ली गई है। जिससे उनका नुकसान हुआ है। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो ठेकेदार के गुर्गों ने उनके साथ अभद्रता की। भयभीय किसान ध्रुवनारायण, रवींद्र कुमार, सुनील कुमार, रविकांत राजपूत, नीरज कुमार, राजेश राजपूत, ब्रजेश, जगजीवन राम, कृष्ण कुमार, ह्रदयनारायण जैसे कई किसानों ने बताया कि ठेकेदार ने दो दर्जन से अधिक किसानों के खेतों से मिट्टी उठाई है। जिसकी वजह से खेत खाई जैसे हो गई है और पानी भर गया है। पानी की निकासी न होने के कारण किसान परेशान है। ठेकेदार धमका रहे है। किसानों ने जिलाधिकारी को शिकायतीपत्र देकर बताया कि खेतों से मिट्टी उठाए जाने के कारण उनकी बुवाई लेट हो रही है। किसानों ने खेतों से उठाई गई मिट्टी का मुआवजा देने और पानी निकासी के लिए पुलिया बनवाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को गुमराह कर प्रसारित करने वाला वीडियो निकला फसाना

संवाददाता

माधौगढ़ । जालौन - माधौगढ़ नगर पंचायत में वार्ड इंद्रानगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहित सरकार द्वारा पात्र लाभार्थियों को आवास आवंटन किये जा रहे हैं । इसी मुद्दे को लेकर कुछ लोग अपने को मीडिया कर्मी एवं सरकारी आदमी बताकर लाभार्थियों को झांसे में लेकर उनसे अधिकारियों एवं बाहरी ब्यक्तियों द्वारा भृष्टाचार किये जाने का वीडियो चेनल के माध्यम से शोसल पटल पर प्रसारित किया गया जिससे सरकार की छवि एवं अधिकारियों की निष्ठा पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए थे। और छवि धूमिल हुई थी। जब तथाकथित वीडयो अन्य पत्रकारों ने शोसल पटल पर देखा तो वो भी इस सच्चाई से रूबरू होने पहुच गए पर वहां मौजूद पात्र लाभार्थियों से इस बारे में पड़ताल की गई तो सारा नजारा उलट निकला और लाभाथीयी ने जो सच सुनाया वो रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी थी। पात्र लाभार्थियों ने बताया कि हमसे किसी ने कोई भी आवास के नाम पर पैसा नही लिया ना ही किसे अधिकारी और नेता ने हम लीगो को सभी ने सरकार की योजना में लाभ प्रदान करने के लिए जी जान से सहयोग किया है। कुछ लोग आए थे जो अपने को पत्रकार बता रहे थे।उहोने हमलोगो से बोला था कि ऐसा बोलो तो सरकार से पैसा मिलेगा और जबरजस्ती माइक लगाकर ऐसा बोलने के लिए बाध्य किया गया था।जब कुछ और पत्रकारों ने इसका खुलासा किया तो तथाकथित पत्रकार भड़क गए और दूरभाष और सोशस पटल पर बौखलाकर अनब सनाब बकने लगे । जिससे पत्रकारों की जानमाल का खतरा मंडराने लगा है शासन प्रशासन को इस पर गौर फरमाना चाहिए और शासन की नीतियों को बट्टा लगाने बदनाम करने वाले तथाकथित लोगो पर नकेल कसने का काम करे।

अवैध खनन नहीं होने दूंगा कितनी भी बड़ी पहुंच बाला क्यों ना हो: अखिलेश द्विवेदी

संवाददाता

कुठौद जालौन। कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत हो रहे अबोध खनन पर थानाध्यक्ष कुठोंद अखिलेश द्विवेदी के द्वारा सख्त रवैया अपनाए जाने से खनन माफियाओ के होसले पस्त हो गए थाना प्रभारी कुठौन्द अखलेश दुवेदी के शक्त रवैया से मिटटी खनन व रेता खनन करने बाले सभी माफिया इस समय खाली हाथ बैठे है सूत्रो की माने तो कुठोंद क्षेत्र में लगभग 10 माफिया मिटटी खनन का कार्य करते है जिसमे कुछ लोग सत्ता से भी जुडे है लेकिन थाना प्रभारी ने शक्त हिदायत देते हुए कह दिया है कि जव तक मे थाना कुठौंद में तैनात हूँ तब तक कोई भी अवैध कारोबार नही होने दूगा बताते चले कि जिला का आधा भाग मध्य प्रदेश की सीमा से जुड़ा हुआ है इसलिए सभी अवैध सामान शंकर पुर चौकी थाना कुठौन्द से होकर गुजरता है बो चाहे मध्य प्रदेश की शराब हो या कटटू पशु धन हो या फिर सरकारी चावल हो लकडी हो या अन्य कुछ और सभी अवैध कारोबार हो कारोबारियों पर थानाध्यक्ष कुठौंद अखिलेश दुबेदी के द्वाराअकुश लगा दिया गया है। अवैध कार्य रुकने से माफिया इस समय सत्ताधारी नेताओ के पास चक्कर लगाते देखे गये है देखना यह है कि इन मकियाओ से प्रभावित होकर सत्ताधारी नेता क्या करते है फिलहाल कुठौन्द क्षेत्र की जनता इस समय अमन चेन मे है थाना अध्यक्ष के द्वारा अपराधियो एवं माफियाओं पर पूर्ण अंकुश लगा दिया गया है।

डीएम ने बुजुर्गों को स्वयं तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया

संवाददाता

उरई /जालौन। जिलाधिकारी चाँदनी सिंह ने वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा के लिए 34 तीर्थ यात्रियों को तिलक फूलहार से स्वागत कर चित्रकूट के लिये बस को रवाना किया। अपनों से दूर रहने वालों बुजुर्गों के चहरे उस वक्त खिल गए जब जिलाधिकारी ने उन्हें स्वयं तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया। साथ ही उन्होंने सभी तीर्थ यात्रियों को आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल अधिकारियों से संपर्क करें। आप सभी की देखरेख के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉक्टरों की टीम, सुरक्षा के लिए होमगार्ड आपके साथ रहेंगे। इस अवसर पर तीर्थ यात्रा के लिए जा रहे बुजुर्ग काफी उत्साहित दिखे। जिलाधिकारी ने बुजुर्गों की मंगलमय यात्रा की कामना की सभी धाम, घाट आदि स्थानों पर जाए साथ ही बुजुर्गों को विश्वास दिलाया कि हर संभव मदद वृद्धों की करती रहूंगी। उन्होंने कहा कि निरन्तर ऐसी तीर्थ यात्रा भविष्य में होती रहेगीं ताकि वृद्धों के चेहरे पर खुशी बनी रहे। यात्रा को लेकर वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव, समाज कल्याण अधिकारी सत्यम त्रिपाठी, एआरटीओ सौरभ कुमार, आदि सम्बंधित मौजूद रहे।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर छात्रा ने दी थी जान

संवाददाता

गाजियाबाद। एक नवंबर को 12वीं मंजिल से गिरकर बीटेक छात्रा साक्षी की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पता चला है कि कोई व्यक्ति उसको ब्लैकमेल कर रहा था। अब तक उससे करीब पौने दो लाख रुपए वसूल चुका था। ये ब्लैकमेल करने वाला कौन था, क्यों ब्लैकमेल कर रहा था, इस बारे में अभी कोई जानकारी हासिल नहीं हुई है। फिलहाल साक्षी के पिता ने खुदकुशी के लिए उकसाने का एक मुकदमा थाना विजयनगर में दर्ज कराया है। विजयनगर थाना क्षेत्र के क्रॉसिंग रिपब्लिक एरिया में गौर ग्लोबल विलेज हाउसिंग सोसाइटी है। यहां 12वीं मंजिल पर बैंक एंप्लॉय राजू केलपिया परिवार सहित रहते हैं। एक नवंबर की शाम करीब 4 बजे राजू की बेटी साक्षी (20 साल) की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना के वक्त साक्षी के माता-पिता सो रहे थे। भाई-बहन लैपटॉप पर ऑफिस वर्क कर रहे थे। पुलिस और परिजन इस जांच में जुटे हुए थे कि

ये हादसा है या आत्महत्या। साक्षी गाजियाबाद के प्रतिष्ठित अइएर आईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक सेकंड ईयर की छात्रा थी। साक्षी के पिता राजू केलपिया ने बताया कि इस हादसे से कई दिन बाद उन्होंने अपना मोबाइल देखा तो खाते से कुछ रकम निकलने के मैसेज पड़े हुए थे। इधर, साक्षी के सहपाठी घर पर शोक सांत्वना प्रकट करने के लिए आए। सहपाठियों ने भी ये बताया कि साक्षी ने 31 अक्टूबर और एक नवंबर को वढक के जरिए कुछ छात्रों से रुपए मांगे थे। सहपाठियों के इस बयान के बाद साक्षी का परिवार बैंक पहुंचा। साक्षी और राजू केलपिया के बैंक खाते की डिटेल्स निकलवाई गई। पता चला कि दोनों खातों से पिछले कुछ दिनों में 1 लाख 75 हजार रुपए निकाले गए हैं। साक्षी के पिता राजू केलपिया का कहना है कि कोई उनकी बेटी को प्रताड़ित और ब्लैकमेल कर रहा था। इस वजह से वो उसको लगातार रुपए दे रही थी। इस हादसे में कोई गहरी साजिश है। साक्षी का मोबाइल पुलिस के पास है। पुलिस को उसकी फोरेंसिक लैब से जांच करानी चाहिए और केस का वर्कआउट करके दोषी को सजा देनी चाहिए। सीओ अंशु जैन का कहना है कि हम सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रहे हैं। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। केस को रजिस्टर किया गया है। मोबाइल डिटेल और बैंक खातों की जांच हो रही है। एक पुलिस टीम लड़की के दोस्तों से भी पूछताछ करेगी। साक्षी सुसाइड केस के ठीक दो दिन बाद यानी 3 नवंबर को ठीक ऐसा ही एक और वाकया गाजियाबाद में हुआ। विजयनगर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ विहार स्थित अपेक्स द क्रेमलिन सोसाइटी में 19वीं मंजिल से गिरकर बीटेक स्टूडेंट हार्दिक (19 साल) की मौत हो गई। वो प्रताप विहार का रहने वाला था और सोसाइटी के रजिस्टर में एंट्री करते वक्त उसने कोई मीटिंग होने की बात कही थी। हार्दिक का बैग किसी दूसरी मंजिल पर मिला था और छलांग उसने 19वीं मंजिल से लगाई थी। पिता के मुताबिक, आज तक ये पता नहीं चल सका कि हार्दिक इस सोसाइटी में किससे मिलने के लिए आया था। ऐसे में आशंका है कि उसको बुलाकर धोखे से मारकर हादसे का रूप दिया गया है।

24 घंटे में मिला ठेकेदार का किडनैप बेटा

संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस ने अगवा हुए कंस्ट्रक्शन ठेकेदार के बेटे को 24 घंटे में सकुशल बरामद कर लिया है। बुधवार दोपहर को पुलिस और अपहताओं के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें एक बदमाश को गोली भी लगी है। इसके बाद बच्चे को उनसे बरामद कर लिया है। विजयनगर थाना क्षेत्र में बहरामपुर गली नंबर-4 निवासी नितिन चौहान तमाम बड़े बिल्डरों के लिए कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। उनका तीन साल का बेटा अथर्व आठ नवंबर की शाम साढ़े पांच बजे संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गया। इसके बाद परिजनों को कॉल करके 20 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। पैसा न मिलने पर बच्चे का कत्ल करने की धमकी तक दी गई। पुलिस अफसरों ने इस केस के वर्कआउट के लिए तुरंत

कई टीमें बनाईं। रऱढ मुनीराज जी. ने बताया, बुधवार दोपहर करीब तीन बजे पुलिस और बदमाशों की मुठभेड़ हिंडन पुश्ता रोड पर हुई है। इसमें सन्नी नामक मुख्य आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हुआ है। वो मैनपुरी जिले में गांव भरतपुरा का रहने वाला है। जबकि उसका साथी रामशरण निवासी फिरोजाबाद भी पकड़ा गया है। बच्चे अथर्व को सकुशल बरामद करके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुए है। घायलों को नजदीक के हॉस्पिटल में एडमिट करा दिया है। एसएसपी मुनीराज जी. ने बताया, मुख्य आरोपी सन्नी मजदूरी करता है और पिछले करीब सात साल से नितिन चौहान के घर के पास ही रहता है। इसलिए उसको नितिन के परिवार के बारे में पूरी जानकारी थी कि बच्चा किडनैप करने पर उन्हें एक अच्छी रकम मिल सकती है। सन्नी ने इस काम के लिए खासतौर पर अपने दोस्त रामशरण को फिरोजाबाद से बुलाया। दोनों आरोपी बच्चे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। इसके बाद उसको शहर में कई जगह घुमाते रहे। फिर उन्होंने नितिन को फोन करके रंगदारी मांगी।

गाजियाबाद में डेंगू: मरीजों की संख्या 600 से ज्यादा, दो दिन में दो की मौत, डिप्टी सीएम बोले: विशेष अभियान चलाओ

संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में डेंगू के केस 600 से ज्यादा हो गए हैं, जबकि दो दिन में दो मरीजों की मौत हो चुकी है। इसके बाद उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने गुरुवार को अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही शहर के सभी 100 वार्डों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। यह अभियान शुक्रवार से शुरू होगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की चार वैन डेंगू के लिहाज से हॉट स्पॉट बने क्षेत्रों में जाएंगी। इनमें पैथोलॉजिस्ट और डॉक्टर होंगे, जो मरीजों की जांच कर दवाएं देंगे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि, अगर जरूरत होगी तो मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। उनके लिए सभी सरकारी अस्पतालों में अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को रेफर करने की प्रथा तत्काल खत्म करने के निर्देश दिए गए हैं। मरीज को रेफर करते वक्त रजिस्टर में डॉक्टर को दर्ज करना होगा की क्या कारण था, जिसके चलते ऐसा करना पड़ा। साथ ही यह भी बताना होगा कि किन संसाधनों की कमी है, मरीज को रेफर किया गया। गाजियाबाद के सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी राकेश गुप्ता ने बताया कि सरकारी और निजी अस्पतालों में डेंगू रोगियों के लिए बेड रिजर्व किए गए हैं। डेंगू के सबसे ज्यादा मामले शहरी इलाकों से सामने आए हैं। विशेष रूप से, वे लोग डेंगू से पीड़ित पाए गए हैं जो अपनी नौकरी और अन्य नियमित कार्यों के लिए हर दिन दिल्ली आते हैं। कौशांबी, इंदिरापुरम, वैशाली और वसुंधरा इलाकों में और उसके आसपास डेंगू के मरीज मिले हैं, जहां से रोजाना बड़ी संख्या में लोग दिल्ली जाते हैं। राष्ट्रीय राजधानी से सटे इलाकों में डेंगू के अधिकांश मरीज मिलने के कारण नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। अधिकारियों ने बताया कि इन इलाकों में जांच की जा रही है और पिछले कुछ दिनों से रोजाना डेंगू के 10 से 12 मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि अभी तक एक क्लस्टर में डेंगू के मामले नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि डेंगू से पीड़ित कई लोग अपने इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में नहीं गए हैं।

डेंगू पीड़ित बच्चे को देखने पहुंचे डिप्टी सीएम

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक गुरुवार को गाजियाबाद जिले में पहुंचे। उन्होंने कलेक्ट्रेट में बैठक लेकर डेंगू बीमारी को रोकने के लिए एक्शन प्लान बनाने को कहा। इसके बाद सरकारी अस्पताल के डेंगू वार्ड में पहुंचकर भर्ती मरीजों का हाल जाना। इस दौरान वार्ड में भर्ती मरीज मच्छरदानी में आराम करते नजर आए। समीक्षा बैठक के बाद डिप्टी सीएम 5 साल के आयुष पांडेय के घर पहुंचे। आयुष हाल ही में डेंगू की चपेट में आ गए थे और स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए थे। ब्रजेश पाठक ने आयुष का हाल घर पहुंचकर जाना। अचानक डिप्टी सीएम के घर आने से आयुष के परिजन अवाक रह गए। पत्रकारों से बातचीत में ब्रजेश पाठक ने कहा कि गाजियाबाद में डेंगू और अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के लिए पूरे इंतजाम हैं। अस्पतालों में बेड आदि की व्यवस्थाएं भी पूरी हैं। गाजियाबाद में शुक्रवार को डेंगू के खिलाफ स्पेशल ड्राइव चलाई जाएगी।